आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

आ रहे हैं 'राम'

वर्ष : 26 | अंक : 31 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 21 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

आज नए मंदिर में रखी जाएगी रामलला की मूर्ति

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अनुष्ठान का आज है छठा दिन

अयोध्या (एजेंसी)। इतिहास रचने के बहुत करीब है। जिस दिन का सभी सनातनियों को अरसों से इंतजार था, वो दिन बस आने ही वाला है। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में अब प्रभु विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देने वाले हैं। आज रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का छठा दिन है।

अब अस्थायी गर्भगृह में रामलला के दर्शन नहीं होंगे। अब 23 जनवरी से दोबारा दर्शन आरंभ होगा, लेकिन नवनिर्मित भव्य दिव्य राममंदिर में। वैकल्पिक गर्भगृह में विराजमान रामलला को नवर्निर्मित राममंदिर के गर्भगृह में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए स्वर्ण मंडित आधार तैयार किया गया है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास कहते हैं कि राम लला की मूर्ति जो वर्तमान में अस्थायी मंदिर में है, आज शाम 8 बजे नए मंदिर में रखी जाएगी, जहां नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कल की जाएगी।

22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामनगरी में करीब चार घंटे बिताएंगे। पीएम सुबह 10.25 बजे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचेंगे। यहां से 10:45 बजे हेलीपैड पर आएंगे। सुबह 10.55 बजे श्रीरामजन्मभूमि पर आगमन होगा। 11 से 12 बजे तक का समय आरक्षित है। दोपहर 12.05 से 12.55 बजे तक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत करेंगे। 12.55 बजे पूजा स्थल से प्रस्थान कर दोपहर एक बजे सार्वजनिक समारोह स्थल पर पहुंचेंगे। यहां दोपहर दो बजे तक रहेंगे। इसके बाद 2.10 बजे कुबेर टीला के दर्शन करेंगे।

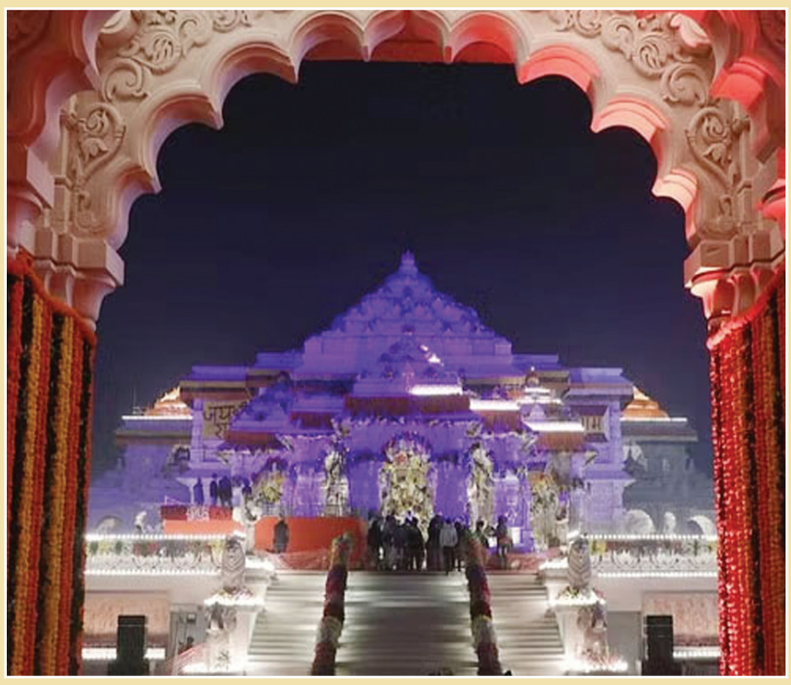

दो हेलीकॉप्टर व जैमर पहुंचे

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर एहतियाती तैयारी चल रही है। डिपो में जरूरी तेल का स्टॉक एकत्र किया जा रहा है। ऐसे में एयरपोर्ट पर तेल भंडार को फुल किया जा रहा है। शनिवार को दो हेलीकॉप्टर और जैमर वाली गाड़ियां आ गई हैं।

यूपीएसएसएफ की अभेद्य और अचूक सुरक्षा कवच में श्रीराम मंदिर

बताते चलें कि 22 जनवरी को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसके मद्देनजर श्रीराम मंदिर की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। एनएसजी से प्रशिक्षित यूपीएसएसएफ की महिला और पुरुष कमांडो को तैनात किया गया है। पूरे परिसर को अभेद्य और अचूक सुरक्षा कवच के बीच कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल के लगभग 1450 जवान श्रीराम जन्मभूमि की सुरक्षा में तैनात हैं। अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार स्वयं मॉनीटरिंग कर रहे हैं। यूपीएसएसएफ के जवान रामजन्म भूमि परिसर, गर्भगृह और पेट्रोलिंग ड्यूटी के साथ रेड जोन की सुरक्षा में लगाए गए हैं।

सेक्टर-11 में निकली रामदूत शोभायात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। कल अयोध्या में प्रभु श्री राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व आज सेक्टर-11 में रामदूत शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा सेक्टर-11 के सामुदायिक केंद्र से शुरू हुई जो विभिन्न स्थानों पर होती हुई। सेक्टर-11 के एल ब्लॉक स्थित हनुमान मंदिर पर समाप्त हुई। इस मौके पर प्रमुख तौर पर फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा मौजूद रहे।

इस अवसर पर गौरव शर्मा, इंदु शर्मा, तरुण, अशोक रस्तोगी, प्रदीप जयरथ, सुनील गुप्ता, रिचा गुप्ता, संजय गुप्ता, राजीव चावला, सुनीता अग्रवाल, रितु दुग्गल, हीरालाल गुप्ता, अनुज गुप्ता समेत सेक्टर तथा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सैकड़ो पदाधिकारी तथा सदस्य आदि मौजूद थे।

नवाब सिंह नागर को फिर मिली सहारनपुर लोकसभा प्रभारी की जिम्मेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री रहे नवाब सिंह नागर को पार्टी हाई कमान ने एक बार फिर सहारनपुर लोकसभा प्रभारी की जिम्मेदारी दीहै मालूम हो कि वह इसके पूर्व भी प्रभारी के तौर पर यह जिम्मेदारी का निर्वहन कर चुके हैं। नवाब सिंह नागर को यह जिम्मेदारी मिलने पर सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं तथा उनके प्रशंसकों में हर्ष की लहर व्याप्त है। आपको बता दें कि नवाब सिंह नागर नोएडा के ऐसे पहले मुट्ठी भर नेताओं शामिल है।

जिन्होंने इस शहर में भारतीय जनता पार्टी का पौधारोपण किया था इसी वजह से पार्टी के अधिकांश कार्यकर्ता नवाब सिंह नागर को नोएडा में भाजपा के चमन का बागवा भी कहते हैं।

उनकी सक्रियता तथा कर्मठता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें नोएडा विधानसभा से दो बार टिकट दिया तथा वे यहां से दो बार विधायक बने सरकार ने उनको उत्तर प्रदेश का सिंचाई मंत्री भी बनाया था। इसके अलावा वे भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत यह रही की भी भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा तथा समर्पण कम नहीं हुईहालांकि बीच में विभिन्न राजनीतिक दल उन्हें अपने दलों से टिकट देने की बात भी करते रहे लेकिन उन्होंने उन प्रस्तावों को सिरे से खारिज कर दिया उनका कहना है कि भाजपा मेरी आत्मा है तथा मैं भाजपा का सब सच्चा सिपाही हूं तथा उम्र भर रहूंगा यही वजह है कि अब क्षेत्र के कार्यकर्ता एवं उनके चाहने वाले उनको गौतमबुद्धनगर लोकसभा से टिकट देने की मांग कर रहे हैं।

सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन छाया घना कोहरा, कई ट्रेनें लेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज उत्तर भारत के अधिकतर राज्य घने कोहरे की चपेट में हैं। यूपी, बिहार, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश में सर्दी के बीच घने कोहरे और शीतलहर से ट्रेनों की रफ्तार सुस्त पड़ी है। तो वहीं, फ्लाइट्स भी लेट हो रही हैं। कई उड़ानों को रद्द किया गया है। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह एक और सर्द सुबह हुई, जब तापमान एकल अंक में दर्ज किया गया, जिससे यात्रियों को असुविधा हुई और कई उड़ानें और ट्रेनें विलंबित हुईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली-पालम पर दृश्यता आज सुबह 2.00 बजे 400 मीटर से घटकर 2.30 बजे 100 मीटर हो गई और सुबह 3.00 बजे से यह और भी कम होकर 0 मीटर हो गई।

दिन निकलते ही चली गोलियां, दो बदमाश हुए लंगड़े

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में आज दिन निकलते ही गोलियां चल गई। यह गोलीबारी बदमाशों और पुलिस के बीच हुई। पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश लंगड़े हो गए हैं। दोनों बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है इन बदमाशों ने एक व्यक्ति को चाकू मारकर घायल कर दिया था और फिर बाइक से काफी दूर तक घसीटा था, जिससे उक्त व्यक्ति की मौत हो गई थी।

आपको बता दें कि नोएडा के ग्राम बरौला में शनिवार की देर रात बाइक सवार दो लोगों ने गांव के ही रहने वाले मेहंदी हसन नामक व्यक्ति को चाकू मारकर घायल कर दिया था। मेहंदी हसन के घायल होने के बाद उसे बाइक से काफी दूर तक घसीटा गया था। मामले की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने मेहंदी हसन को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मेहंदी हसन की मौत हो गई थी। इसके बाद से ही पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुट गई थी।

आज तड़के थाना सेक्टर-49 पुलिस और हत्यारोपी अनुज और नितिन से बरौला पुलिया के पास मुठभेड़ हुई। इसमें दोनों बदमाश अनुज और नितिन घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, यह मुठभेड़ पुलिस हिरासत के दौरान हुई। हत्या करने के आरोपी अनुज और नितिन से ने मेहंदी हसन पहले चाकू मारा फिर मोटरसाइकिल से घसीटा था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और इनको आला कत्ल की बरामद के लिए पुलिस टीम लेकर के जा रही थी। इसके बाद आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें दोनों अभियुक्त अनुज और नितिन घायल हुए। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अभियुक्त पंजीकृत किया है।

सातवीं बार अध्यक्ष बनाकर उद्यमियों ने और बड़ी जिम्मेदारी कंधों पर डाल दी : विपिन मल्हन

नोएडा (चेतना मंच)। नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत विपिन कुमार मल्हन एंव श्री वी0के0सेठ पैनल के निर्विरोध चुने जाने पर विजयी उम्मीदवारों को चुनाव अधिकारी योगेश आनन्द, राकेश कत्याल, श अनिल अग्रवाल एंव श्रीमती झुमा विश्वास नाग द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गये ।

इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने कहा कि इस बार चुनाव में प्रत्याशियों के लिए फीस लगभग 80 प्रतिशत तक कम कर दी गयी थी परन्तु फिर भी कोई अन्य पैनल मैदान में नही आया ये उद्यमियों की एकता एंव हमारे पैनल के प्रति उद्यमियों के विश्वास का प्रमाण है जिसे हम दिल से स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे पैनल की निर्विरोध जीत से अब हमारी जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती है। हम उद्योगों की बेहतरी के लिए शासन व प्रशासन के सहयोग से काम करते रहेगें। श्री मल्हन ने कहा कि हम पूर्व की भाँति अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेगें। विपिन मल्हन ने उपस्थिति सभी उद्यमी बंधुओं का दिल से आभार व्यक्त किया एंव धन्यवाद दिया। इस अवसर पर पैनल के सभी विजयी पदाधिकारी तथा सदस्य गण मौजूद थे।

नोएडा वासियों को मिली सौगात, परी चौक से चलेगी अयोध्या धाम के लिए बसें

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भगवान राम की भक्ति में पूरा प्रदेश डूबता जा रहा है। शहर के लोगों को ग्रेटर नोएडा डिपो ने सौगात दी है। 22 जनवरी के बाद शहर से अयोध्या जाने वालों के लिए डिपो की ओर से दो बसों का संचालन किया जाएगा। 23 जनवरी से परीचौक से शाम साढ़े बजे अयोध्या के लिए बस को रवाना किया जाएगा। अयोध्या से ग्रेटर नोएडा आने वाले यात्रियों को दोपहर दो बजे डिपो की बस मिलेगी।

अयोध्या में भगवान श्रीराम लला की स्थापना से यात्रियों में अयोध्या जाने के लिए आस्था बढ़ रही है। इसी को देखते हुए यूपी रोडवेज के ग्रेटर नोएडा डिपो ने यह व्यवस्था की है। ग्रेटर नोएडा से अयोध्या तक की लंबी दूरी होने के कारण एक बस में दो ड्राइवर तैनात रहेंगे। यह दोनों ड्राइवर सुविधा के अनुसार बस का संचालन करेंगे। इसके अलावा इन बसों में भजन और रामधुन बजाने की व्यवस्था की गई, जिससे बस का माहौल राममय हो जाए। इसी बीच अब बस अड्डे पर अयोध्या धाम जाने वाली बसों की जानकारी के लिए बस अड्डे पर हेल्प डेस्क बनाई गई है। अयोध्या जाने के लिए संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए एक कर्मचारी की भी ड्यूटी लगाई गई है।

डिपो से संचालित हो रही सीएनजी बसें

ग्रेटर नोएडा डिपो से 153 बसें सीएनजी की संचालित हो रही है। एक बार फुल टैंक कराने पर एक सीएनजी बस 500 किमी तक की ही दूरी तय कर सकती है, इसलिए बस रेंज के अनुसार एक रूट चार्ट बनाया गया है, क्योंकि रोडवेज बसों को अनधिकृत ईंधन स्टेशनों से सीएनजी भरने की अनुमति नहीं है। ग्रेटर नोएडा से अयोध्या की दूरी लगभग 650 किमी है। इतनी दूरी को कवर करने के लिए ग्रेटर नोएडा डिपो की बसों को लखनऊ में सीएनजी भरने की सुविधा की व्यवस्था होगी। दीपावली के मौके पर पहली बार अयोध्या के लिए बसें भेजी गई थी। डिपो को इस रूट पर बस संचालित करने पर काफी लाभ हुआ था।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning Well Equipped Library GPS Enable Buses

ISHWAR PHYSIO CARE
PHYSIOTHERAPY & REHABILITATION
Dr. Ankur Sharma (PT)
Physical Therapy For Elderly
Neurological Therapy
Orthopedic Physiotherapy
Sports Physiotherapy
Home Visit Available
9990144473, 8130990799
C-16, Jaipuria Building, Kaushambi

टिकाऊ आजीविका

सोना सहरिया एक आदिवासी महिला है जो तालबेहट ब्लाक के बम्होरा गांव में अपने छोटे स्तर की खेती-किसानी से संतोषजनक आजीविका प्राप्त कर रही है। खेत और किचन गार्डन में बहुत सी सब्जियां लगी हैं, नींबू और अमरूद के पेड़ लगे हैं, जैविक खाद तैयार हो रही है, पर यह स्थिति एक दशक पहले नहीं थी। उस समय सोना के पति इंदौर में प्रवासी मजदूर के रूप में ईंट भट्टों पर मजदूरी करते थे। उन दिनों को याद करते हुए वे बताते हैं कि किसी-किसी दिन तो पूरा दिन मेहनत कर पांच रुपए की ही आमदनी होती थी। खूब मेहनत करने के बावजूद न अपने लिए बचत कर पाते थे, न गांव में अपने घर के लिए। जैसे ही उन्हें खबर मिली कि अब गांव में स्थिति सुधर रही है तो प्रवासी मजदूरी छोडक़र गांव वापस आ गए और नए सिरे से खेती जमाने के हिम्मत भरे प्रयास करने लगे। आज उसके परिणाम सामने आ चुके हैं- हरे खेत लहलहा रहे हैं, नींबू और अमरूद के पेड़ भी खड़े हैं। अपने लिए पर्याप्त खाद्य प्राप्त हो रहा है, कुछ बिक्री भी हो रहा है। आर्थिक स्थिति को वे संतोषजनक मान रहे हैं और भविष्य के लिए उम्मीद भी है। सोना के खेत में सावां और कोदो जैसे मिलट या मोटे अनाज भी उगाए जा रहे हैं, ताकि इन पौष्टिक गुणों वाले, पर उपेक्षित मोटे अनाजों की वापसी हो सके। सोना ने बड़े बर्तन दिखाए जिनमें मोटे अनाजों के बीज संग्रहित किए जाएंगे व इस 'बीज बैंक' के माध्यम से अन्य किसान भी मोटे अनाज उगा सकेंगे। यह बदलाव एक स्वयंसेवी संस्था 'परमार्थ' व प्रशासन के सहयोग से हुए जल-संरक्षण से आया है। सोना स्वयं भी इस संस्था से जुड़ी हैं। इसके साथ सोना ने गांव की सामूहिक भलाई के प्रयास जारी रखे हैं, पर दूसरी ओर पास में तेन्द्रा जैसी बस्तियां आज भी हैं जहां अधिकांश लोग प्रवासी मजदूर के रूप में बाहर गए हुए हैं। तालबेहट ब्लाक के हनौता गांव में सहरिया आदिवासी व दलित परिवार प्राय: ऐसी स्थिति में वर्षों से रहते आए हैं जब पानी के अभाव में वे खेती नहीं कर पाते थे व प्रवासी मजदूर के रूप में इंदौर, दिल्ली, पंजाब आदि में भटकते रहते थे। ईंट भट्टों पर या जहां भी काम मिले, बहुत कम मजदूरी पर कार्य करने को मजबूर थे, पर अब इस मजबूरी पर रोक लगी है। रबी की फसल तो कई किसानों ने पहली बार ली है। हनौता में यह सार्थक बदलाव इस कारण आ सका, क्योंकि परमार्थ संस्था ने यहां से आठ किलोमीटर दूर बेतवा नदी से एक भूमिगत पाईप लाइन द्वारा इस गांव के अनेक परिवारों को सिंचाई उपलब्ध करवाई। शांति सहरिया के खेत में मूली, मटर, टमाटर, बहुत सी सब्जियां लगी हैं, अमरूद व नींबू के पेड़ भी हैं। अब शांति के परिवार को प्रवासी मजदूरी के लिए भटकना नहीं पड़ता। बबलू अहिरवार का केवल एक हाथ है, दूसरा हाथ दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गया था। उसके लिए तो यह और भी महत्वपूर्ण है कि गांव में उसकी खेती जम गई है व उसे प्रवासी मजदूरी के लिए नहीं जाना पड़ता। ग्राम बंडा (बबीना प्रखंड, जिला झांसी) के किसान हीरालाल इन दिनों बहुत प्रसन्न हैं। वजह स्पष्ट है कि विविधता भरी बहुत सी फसलें, विशेषकर बागवानी की फसलें उन्होंने प्राप्त की हैं व उत्पादकता भी बढ़ी है। बैंगन, करेला, तुरई, लौकी, कद्दू, मिर्ची, भिंडी, लोभिया, मटर, आलू के बीच उन्होंने कुछ फूल भी उगाए हैं। उनके पड़ौसी किसान अजय भी ऐसे ही प्रसन्न हैं। वे बताते हैं कि अधिक नहीं तो उत्पादन कम से कम डेढ़ गुना तो बढ़ ही गया है। वे और बंडा गांव के सात-आठ अन्य किसान अपनी उपलब्धि के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर खेती को श्रेय देते हैं। हीरालाल बताते हैं कि इससे पानी की बहुत बचत होती है तथा साथ में मिट्टी पर भी अनुकूल असर पड़ता है। मिट्टी व पानी का संरक्षण हो जाए व साथ में उत्पादकता बढ़ जाए तो लगता है कि सब कुछ अनुकूल ही हो रहा है। यह टिकाऊ आजीविका की मिसाल है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सुग्रीव का राजतिलक करके प्रभु ने प्रवर्षण पर्वत पर निवास किया, वह तथा वर्षा और शरद् का वर्णन, श्री रामजी का सुग्रीव पर रोष और सुग्रीव का भय आदि प्रसंग कहे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जेहि बिधि कपिपति कीस पठाए। सीता खोज सकल दिदि धाए॥

बिबर प्रबेस कीन्ह जेहि भाँति। कपिन्ह बहोरि मिला संपाती॥

जिस प्रकार वानरराज सुग्रीव ने वानरों को भेजा और वे सीताजी की खोज में जिस प्रकार सब दिशाओं में गए, जिस प्रकार उन्होंने बिल में प्रवेश किया और फिर जैसे वानरों को सम्पाती मिला, वह कथा कही॥

सुनि सब कथा समीरकुमारा। नाघत भयउ पयोधि अपारा॥

लंकाँ कपि प्रबेस जिमि कीन्हा। पुनि सीतहि धीरजु जिमि दीन्हा॥

सम्पाती से सब कथा सुनकर पवनपुत्र हनुमानजी जिस तरह अपार समुद्र को लाँघ गए, फिर हनुमानजी ने जैसे लंका में प्रवेश किया और फिर जैसे सीताजी को धीरज दिया, सो सब कहा॥

बन उजारि रावनहि प्रबोधी। पुर दहि नाघेउ बहुरि पयोधी॥

आए कपि सब जहँ रघुराई। बैदेही की कुसल सुनाई॥

अशोक वन को उजाड़कर, रावण को समझाकर, लंकापुरी को जलाकर फिर जैसे उन्होंने समुद्र को लाँघा और जिस प्रकार सब वानर वहाँ आए जहाँ श्री रघुनाथजी थे और आकर श्री जानकीजी की कुशल सुनाई,॥

सेन समेति जथा रघुबीरा। उतरे जाइ बारिनिधि तीरा॥

मिला बिभीषन जेहि बिधि आई। सागर निग्रह कथा सुनाई॥

फिर जिस प्रकार सेना सहित श्री रघुवीर जाकर समुद्र के तट पर उतरे और जिस प्रकार विभीषणजी आकर उनसे मिले, वह सब और समुद्र के बाँधने की कथा उसने सुनाई॥

दो0-सेतु बाँधि कपि सेन जिमि उतरी सागर पार।

गयउ बसीठी बीरबर जेहि बिधि बालिकुमार॥

पुल बाँधकर जिस प्रकार वानरों की सेना समुद्र के पार उतरी और जिस प्रकार वीर श्रेष्ठ बालिपुत्र अंगद दूत बनकर गए वह सब कहा॥

क्रमश:

अयोध्या- भारत के शक्ति तत्व की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या की उन गलियों से गुजरते हुए जहां इन आँखों ने नब्बे बयानबे में हिंदू नेताओं की हिंदू पुलिस द्वारा रक्तरंजित कारसेवक संहार देखा था आज भी सिहरन होती है, आँखें विस्फारित हो कर राम शरद कोठारी के चित्र देखती हैं उनके अधरों से निकले जय सिया राम के स्वर सुनायी देते हैं। मैं यहाँ आते ही मणिरामदास छावनी केप्रमुख, राम आंदोलन के महा सेनापति पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी से मिला, आशीर्वाद लिया। वे पहचान गये। रामभद्राचार्य जी, पूज्य जयदेव राम जी, सालासर बालाजी के सिद्धेश्वर महाराज, सर्व कार्य प्रमुख चंपत राय, और संपूर्ण राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महिमावान प्रमुख संत पूज्य गोविंद गिरि जी महाराज से तो रात्रि साढ़े दस बजे भेंट हुई। रात दिन काम और अविश्राम जीवन। राम जी की शक्ति है।

स्वामी गोविंद गिरि ने ठीक कहा- इस जन्मभूमि को लेने में हिंदुओं को पाँच सौ साल क्यों लगे? क्योंकि हिंदू के मानस में राष्ट्र तथा धर्म का समन्वय नहीं था। शिवाजी के विरूद्ध औरंगज़ेब के लिये शिव भक्त मिर्जा राजा जय सिंह लड़े, शिवाजी के तेरह सगे संबंधी उनके विरुद्ध मुगल सेना में थे। गत सौ वर्षों में पहली बार विवेकानंद तथा डॉ हेडगेवार ने देश के साथ धर्म का चैतन्य जागृत किया तो राम मंदिर बना। अब काशी और मथुरा सहित अन्य भग्न कारावद्ध आक्रांत मंदिर वापस लिए बिना हिंदू रुकेगा नहीं।

अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वर्गानुकूल भव्यता ले रहा है। सब कुछ स्वप्न वत। चिकोटी काटें तब विश्वास हो। हर कोने चौहारे पर आंध्र से लेकर पंजाब दुर्ग्यआणा मंदिर के मुफ़्त चाय भोजन के 24 घंटा लंगर चल रहे हैं। हजारों स्त्री पुरुष गोद में बच्चे हाथों में कपड़ों कंबल के थैले लिये चले आ रहें हैं। राम लला से मिलने आयें हैं राम लला व्यवस्था करेंगे।

जिन लोगों ने, हिंदू तथा मुस्लिम दोनों ने राम जन्मभूमि का सत्य जानते हुये भी अंधा अपशब्दयुक्त विरोध किया उनको हिंदुओं से हाथ जोड़कर क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने अपने ही रक्त अपने पूर्वजों अपने देश अपने देवताओं अपनी संस्कृति के प्रवाह से विश्वासघात किया। अब स्मृति -जागृत भारत अपने मन और काया पर आघात नहीं सहेगा। स्मृति हर मनुष्य और राष्ट्र के जीवन हेतु अनिवार्य तत्व है। स्मृति हीन देश या व्यक्ति शून्य होता है, भविष्यविहीन और दिशाहीन। अयोध्या में मंदिर नहीं भारत राष्ट्र की स्मृति के जागरण द्वारा नवीन राष्ट्रीय अभ्युदय के शक्ति स्रोत की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है।

हर काल में हिंदू का राष्ट्र और धर्म के समन्वय से युक्त जागरण कठिन, प्राय: असंभव और जटिल रहा है। ढाई हज़ार मील दूर अनुल्लेखनीय कस्बे गजनी से एक लुटेरा महमूद

अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वर्गानुकूल भव्यता ले रहा है।

प्रभास पाटन आता है, सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंदिर तोड़ता है, इतनी बड़ी संख्या में हिंदू स्त्री पुरुष दास बनाकर ले जाता है कि बग़दाद में ग़ुलामों का मूल्य गिर गया, लूट का सामान अलग ले जाता है। मार्ग में सब हिंदू खड़े हुए?

सुहेलदेव अपवाद हैं। बाक़ी? कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का जय सोमनाथ उपन्यास पढ़ा है? उन्होंने उच्च ब्राह्मण कुलोत्पन्न शिव राशि के चरित्र का उल्लेख किया है जो ग़ज़नवी को हिंदू संघ की परमार राजाओं के नेतृत्व में खड़ी सेनाओं से बचाकर सोमनाथ मंदिर के भीतर ले आया था. जीती बाज़ी हिंदू हार गये।

चार सौ वर्ष गोवा पर क्रूर व अमानुषिक अत्याचारों के लिए कुख्यात पुर्तगालियों ने लगातार शासन किया। पणजी में आज भी एक हाथ कातरो खंभ है जहां उन हिन्दुओं के हाथ काटे जाते थे जिनके घर पर तुलसी का पवित्र पौधा पूजित होता था।

उस भयानक काल से गुजर यदि आज हिंदू समाज धर्म और राष्ट्र से जुड़ा दिखता है तो यह आठवाँ आश्चर्य है- हिंदुओं के एक वर्ग या बड़े आचार्यों या हिंदू नामधारी सेकुलरों के हिंदू मंदिर विरोध में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। ग़ज़नवी से पुर्तगालियों तक उसका देश से विमुख धर्म से विमुख एक स्वार्थी भाव रहा है जिसे पिछली शताब्दी में लाल बाल पाल, विवेकानन्द, अरविंद, दयानंद , सावरकर ने बदला और डॉ हेडगेवार ने उसे एक सैन्य अनुशासन में ढालने का असाधारण अभूतपूर्व कार्य किया. वरना मंदिर की जगह हिंदू सेकुलर शौचालय बनवा रहे होते।

यह भारत की सुप्त विजिगीशु प्रवृत्ति, काल को परास्त करने वाली जिजीविषा और सामूहिक सांगठनिक शक्ति का ऐसा ऐतिहासिक प्रकटीकरण है जो धरातल पर आदि शंकर के बाद या राजनीतिक स्तर पर राज राज चोल, कृष्णदेवराय, उससे पूर्व विक्रमादित्य, अशोक, के बाद कभी संभव हुआ नहीं। दुर्बल, आत्म विस्मृत, समझौतावादी, यही पिछले सेकुलर युग में हिंदू की पहचान थी। उस छवि के टूटने और नवीन साहसी निर्भीक हिंदू के उदय से जन्मी वेदना भारत शत्रुओं को होना स्वाभाविक ही है। ध्यान रहे राम ने पश्चाताप विहीनरावण युग का अंत किया पररावण पर का कभी अपशब्दों से तिरस्कार नहीं किया, उसका सम्मान अंतिम संस्कार किया, उसके भाई विभीषण का राज्यारोहण करवाया, लंका को अयोध्या में सम्मिलित नहीं किया।

आज यही मर्यादा पुनरुज्जीवित होती दिखती है। संपूर्ण विश्व में भारत की प्राचीन गौरवशाली धरोहर के प्रति नवीन चैतन्य उभरा है। अनगिनत पुस्तकें भारत की विद्या, महापुरुषों की जीवनियों, प्राचीन नगरों , नदियों, तीर्थों, पर्यटन स्थलों, समुदायों यहाँ तक कि अरुणाचल- मणिपुर-मेघालय में प्राचीन राम कथाओं के पुन:स्मरण-प्रकाशन का रेला दिख रहा है। राम कथा के टेली सीरियल से लेकर राम मंदिर विरोधी नये नये शंकराचार्यों की अपने अपने उद्देश्यों हेतु पादवंदना करते, जातियों के गूढ़ मर्म व अर्थ ढूँढते दिखने लगे हैं। विश्व नवीन आर्थिक व सैन्य शक्ति युक्त भारत की ओर भिन्न एवं सम्मान भाव से देख रहा है। यह अचानक जादू से नहीं हुआ।

स्मृति जागरण पर्व उन अनाम अजान अचीन्हे संस्कृति वीरों महापुरुषों गुरुओं त्यागराज, चैतन्य महाप्रभु, रामानन्दाचार्य, आदि शंकर, गुरु गोविंद सिंह तेग़ बहादुर, बंदा बहादुर के संचित तप, बलिदानों, साधना, काले पानी की जेल में अनजान रह कर मर खप गये सेनानियों की सामूहिक अभीप्साओं का फल है।

आज चन्द्रायण से लेकर मंगल तक की यात्राओं का निर्धारण आस्थावान विश्व विश्रुत भारतीय वैज्ञानिक कर रहे हैं, खेल, चिकित्सा, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, कठिनतम क्षेत्रों को राजमार्गों से जोड़ता भारत, सिंधु सरस्वती सभ्यता के विराटतम आगार के रूप में विश्व के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करने लगा है। विश्व के संपन्नतम आधुनिकतम स्थानों में हिंदू संस्कृति और सभ्यता के उत्कर्ष को दर्शाते मंदिर सैंकड़ों एकड़ों में बन गये हैं जहां वे लोग आकर श्रद्धावनत और विस्मित हो रहें हैं जो कल तक हमारे अध्यात्म की, धरोहर की मजाक उड़ाते थे।

इन सब गतिविधियों में 18 से 30 वर्ष का हिंदुस्तानी है। वह भाजपा समर्थक नहीं भी होगा, संघ से सहमत नहीं भी होगा पर वह एक नये हिंदुस्तान का अन्वेषण कर रहा है, नवीनता का आविष्कार कर रहा है, अपनी जड़ों की पहचान और पश्चिमी औपनिवेशिक दंभ को करारा तीखा आहत करनेवाला उत्तर दे रहा है। न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध थिंक टैंक के निदेशक ने इस दृश्य को उद्धृत करके मुझसे कहा था- दिस इंडिया इस अनस्टॉपेबल नाउ- अब इस भारत को कोई रोक नहीं सकता।

यह भारत श्री अरविंद की उस भविष्यवाणी को सत्य सिद्ध कर रहा है कि विश्व को मार्गदर्शन देने वाले शक्तिशाली समर्थ भारत का उदय अवश्यंभावी है। विवेकानंद ने इस स्मृति जागरण अश्वमेध यज्ञ का आरंभ 11 सितंबर 1893 को शिकागो में कर दिया था। कार सेवकों ने अपने रक्त की आहुति से अयोध्या को जगा कर बलिदानी ऊष्मा से भारत ज्योति जलायी और जो भी भारतीय जहां भी था उसके मानस में जो आत्मविश्वास आया वह अवर्णनीय और शब्दातीत है। राजनेताओं को विनम्रतापूर्वक इस पुनर्जागरण पर्व का वंदन करना होगा। अयोध्या सशुल्क धर्मशालाओं होटलों विलासिता के धनी वर्ग और अर्द्ध साक्षर उच्चाधिकारियों के पानी की तरह बहाए पैसे से आप्लावित न होने पाए. नेताओं के अहंकार हूटर, सड़क बंद करवाकर पूजा का दंभ यहाँ न दिखे. गरीब दरिद्र किसान मजदूर झोंपड़ी वाले हिंदू ने अयोध्या की आत्मा बचायी, यहाँ कभी कोई भूखा नहीं सोया, कभी ठंड में सड़क पर नहीं पड़ा। हर आश्रम शरण स्थल बना रहा है। अब अचानक धन वैभव फेंक कर उनको होटल व्यावसायीकरण की ओर धकेलने तथा ग़रीब भक्तों को अवांछनीय और धनियों को सुपात्र समझने वाली अयोध्या न बनने दें। सरकार संस्कृति कार्यों में अपनी भूमिका की नयी सीमा निर्धारित करे।

सोमनाथ से अयोध्या तक के पुनर्निर्माण का पथ भारत वर्ष के सामूहिक स्मृति जागरण का अविजेय, अमर्त्य, शत्रु हनन- सज्जन प्रतिपालक ज्योति पर्व है। अबसे भारत एक नया मन, नया कलेवर धारण करनेवाला है। अयोध्या में इस शक्ति के ऊर्जा केंद्र की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है- मंदिर मात्र की नहीं।

- तरुण विजय

(लेखक पूर्व सांसद व पाँचजन्य के दो दशक संपादक रहे- यह आलेख अयोध्या से भेजा है)

व्यंग्य

प्यार का इजहार

आज फिर से लिखना पडेगा कि विदेशियों के अनूठे सर्वे हैरान कर देते हैं। पता नहीं उनके पास कितना समय है जो ऐसे ऐसे सर्वे करते रहते हैं। जिन चीजों बारे में दुनिया पहले से जानती है उनके बारे ही सर्वे करते रहते हैं। गजब शैली है इनकी। प्यार के बारे में कहा जाता है कि कब, कहां, किससे, किस स्थिति में हो जाए पता नहीं, कह नहीं सकते। कितनी बार प्यार का इजहार करना इतना मुश्किल हो जाता है कि जिंदगी तमाम हो जाती है और यह काम रह जाता है। ऐसा भी होता है कि पहली नजर में प्यार हो जाता है पहली ही नजर में प्यार और बंदा बेकरार हुआ जाता है। खैर...

उधर प्यार के खास विशेषज्ञ, स्कॉटलैंड के विश्वविद्यालय के सर्वे करने वालों के मुताबिक, नए रिश्ते में प्यार का इजहार करने में 107 दिन लग जाते हैं। क्या कहने अंग्रेजी सलीके के। दिलचस्प यह है कि वहां की महिलाओं में भी शर्म का नैसर्गिक भाव है। वे प्यार का इजहार, पहले नहीं करती। मजेदार यह है कि सर्वे करवाने और करने वालों ने इतने जरूरी विषय पर, सर्वे करने के लिए अपने देश ही नहीं छ और देशों के सिर्फ तीन हजार युवाओं को सर्वे का हिस्सा बनाया और नए स्वाद का परिणाम पेश कर दिया।

कोई यह सर्वे पसंद करे या नहीं एक बात जरूर फिर से पता चली कि स्कॉटलैंड के वासी जो भी करते हैं पूरे आराम और तन्मयता से करते हैं। उनके लिए एक दूसरे की सोहबत, खाना पीना, घूमना फिरना, जिंदगी में दूसरे काफी कामों से ऊपर है। तन का मिलन या विवाह, वहां इंसानों रिश्तों में कभी रोक टोक नहीं बना। साथी को अच्छी तरह से आंक लिया तो प्यार का इजहार कर दिया, विवाह कर लिया। वह बात अलग है कि यह सर्वे पश्चिमी समाज पर एक व्यंग्य सा लगता है।

प्यार का पहला खत लिखने में भी, वक्त तो लगता है। अब तो हमारे यहां भी काफी बदलाव आए हैं, प्यार की बातें लड़खड़ा रही हैं। नफरत करते हुए भी नहीं सोचा जाता। यहां इस तरह के सर्वे करवाने बारे सोच भी नहीं सकते। लड़की उपहारों पर रीझ जाए तो प्यार का इजहार और इकरार मान लिया जाता है। शादी के पुल तक पहुंचते पहुंचते, महंगे उपहारों के मील पत्थर आते रहते हैं। यदि कोई और आकर्षक समृद्ध मंजिल दिख जाए तो इजहार उस तरफ मुड़ जाता है। इजहार व्यावसायिक और व्यवहारिक हो जाता है। सिर्फ प्यार मुहब्बत से जिंदगी नहीं चलती। प्यार के इजहार में समय लगे न लगे, प्यार के व्यापार में समझदारी भरा समय लगता है।

पहले विवाह होता था फिर प्यार करते, होते न होते, समझौता रचते रचते समय लगता था। इजहार न भी हो तब भी कई दशक साथ रह लेते थे। जिंदगी की परेशानियां पानी की तरह बह जाती थी। अनुभव बताते रहते थे और जिंदगी सिखाती रहती थी। पुराने पत्नी पति अभी उसी लकीर पर चल रहे हैं। वैसे.. अब तो जीवन इतना व्यावसायिक हो गया है कि समाज को अंधेरे में उजाला दिखाने वाले भविष्य वाचक कह रहे हैं कि प्यार करने से पहले कुंडली दिखा लेनी चाहिए। लगता है अंग्रेजों द्वारा किया गया सर्वे उनसे प्रेरित है।

- संतोष उत्सुक

"प्यार का पहला खत लिखने में भी, वक्त तो लगता है। अब तो हमारे यहां भी काफी बदलाव आए हैं, प्यार की बातें लड़खड़ा रही हैं। नफरत करते हुए भी नहीं सोचा जाता। यहां इस तरह के सर्वे करवाने बारे सोच भी नहीं सकते।"

राशिफल

पौष शुक्ल- एकादशी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
वंडरफुल समय। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम संतान की स्थिति बहुत अच्छी, व्यापारिक दृष्टिकोण से बहुत अच्छा समय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। यद्यपि, शुभ कार्यों में खर्च होगा लेकिन फिर भी मन परेशान रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। यद्यपि, शुभ कार्यों में खर्च होगा लेकिन फिर भी मन परेशान रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शाम तक आय में आशातीत बढ़ोतरी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी के मामले में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोर चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। यद्यपि, गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात होगी। आनंद की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु भी मित्र बनने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा। पीली वस्तु पास रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
विद्यार्थियों के लिए अति उत्तम समय, प्रेम के लिए अति उत्तम समय, संतान के लिए अति उत्तम समय।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी)
भौतिक सुख संपदा में वृद्धि होगी। घर में कुछ उत्सव सा माहौल रहेगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापार का विस्तार होगा। अपनों का साथ होगा। परेशानी दूर होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शब्द साधक की तरह दिखाई पड़ेंगे। वाणी से जिसको चाहेंगे अपनी मुट्ठी में कर लेंगे। धन का आवक बढ़ेगा।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 112 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष 10 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा तहसील जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई। आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिला अधिकारी द्वारा जन सामान्य की शिकायतों का अनुश्रवण किया गया एवं जन सामान्य के द्वारा कुल 41 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 06 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

इस अवसर पर जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता को भी संबंधित विभागीय अधिकारियों के द्वारा निस्तारण के दौरान उपस्थित रखा जाए ताकि सभी शिकायतों का निराकरण गुणवत्ता परक रूप से सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में दर्ज शिकायतों की मानिटरिंग उत्तर प्रदेश शासन स्तर से सुनिश्चित की जा रही है। अत: सभी अधिकारियों के द्वारा दर्ज शिकायतों का निराकरण पूर्ण गंभीरता के साथ कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी के द्वारा इस अवसर पर उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित बालिका आर्शीवाद योजना के तहत 3 लाभार्थियों को 25 हजार रूपये के सावधि जमा पत्र भी वितरित किये गये। वितरण के उपरांत जिला अधिकारी द्वारा ईवीएम प्रदर्शन केंद्र पर पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से तहसील में स्थापित ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का अवलोकन किया गया। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा जन सामान्य प्रदर्शन केंद्र पर पहुंचकर अपने वोट की पुष्टि कर सकें। उन्होंने बताया कि ईवीएम प्रदर्शन केंद्र के द्वारा मतदाताओं को ईवीएम एवं वीवीपैट मशीन का उपयोग करके मतदान करने के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, एसीपी प्रवीण कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी सुधा कुमारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इसी प्रकार दादरी तहसील में अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 69 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 04 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही कराया गया। सदर तहसील में उप जिलाधिकारी सदर अंकित कुमार की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, यहां पर जनता के द्वारा कुल 02 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई।

नोएडा में हुई खौफनाक वारदात पहले चाकू मारा फिर बाइक से बांधकर गांव में घसीटा, हुई मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा से एक सनसनीखेज और लोगों के होश उड़ाने वाली वारदात सामने आई है। नोएडा के गांव बरौला में एक युवक को पहले चाकू मारकर घायल कर दिया गया और फिर बाइक से बांधकर गांव में घसीटा गया। इतना करने के बाद हमलावर घायल युवक को पुलिस चौकी के सामने फेंक दिया तथा थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई।

मामला शनिवार की देर रात 11 बजे का है। नोएडा के थाना सेक्टर 49 क्षेत्रांतर्गत गांव बरौला से लेकर पुलिस चौकी तक अफरा तफरी मच गई। गांव वालों ने खौफनाक वारदात पर रोष जाहिर करते हुए पुलिस चौकी में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। चाकू मारने और गांव में घसीटने की वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, गांव बरौला निवासी अनुज एक प्राइवेट अस्पताल में काम करता है और उसका चचेरे भाई नितिन का दूध का काम है। अनुज और नितिन की गांव के रहने वाले मेहंदी हसन से शनिवार रात करीब 11 बजे को कहासुनी हो गई। अनुज और नितिन ने मेहंदी हसन को चाकू मार दिया और बाइक में बांधकर पूरे गांव में घसीटा। इसके बाद दोनों मेहंदी हसन को घसीटते हुए बरौला पुलिस चौकी पहुंचे, तब तक वहां काफी संख्या में लोग भी इकट्ठा हो गए थे। पुलिस चौकी में तोड़फोड़ का प्रयास किया गया। इस घटना के बाद पुलिस चौकी के आसपास अफरा-तफरी मच गई और घायल मेहंदी हसन को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

नोएडा के एडिशनल डीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2018 में मेहंदी हसन ने अनुज के पिता को चाकू मारकर घायल कर दिया था। मेहंदी हसन के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। तब से अनुज मेहंदी हसन से रंजिश रखता था। हाल के दिनों में कोर्ट से मेहंदी हसन के खिलाफ वारंट भी जारी होने की बात कही गई है। मेहंदी हसन और अनुज के बीच कई बार कहासुनी हुई थी। इसी को लेकर दोनों में तनातनी चल रही थी।

अपने पिता के ऊपर हुए कातिलाना हमले के बाद बदला लेने के लिए अनुज ने मेहंदी हसन को बाइक के पीछे रस्सी से बांधकर पूरे गांव में घुमाया तो गांव में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि उसे तब तक बाइक में बांधकर घुमाया गया जब तक उसकी जान नहीं चली गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पुलिस ने शमशान से पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा महिला का शव

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के रिस्तल गांव में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। स्वजन शव का अंतिम संस्कार करने पहुंचे। तभी मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने श्मशान घाट पर पहुंचकर अंतिम संस्कार रुकवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक, रिस्तल गांव में अजीत परिवार के साथ रहते हैं। 2023 में उनकी शादी सिकंदराबाद बुलंदशहर की आशा से हुई थी। उनके एक बेटी और एक बेटा हैं। बृहस्पतिवार को आशा जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां शनिवार तड़के उनकी मौत हो गई।

स्वजन घर शव घर लेकर पहुंचे। दोपहर करीब एक बजे गांव के ही श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया जा रहा था। मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

टीला मोड़ थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार गिरी पुलिस बल के साथ श्मशान घाट पर पहुंचे और अंतिम संस्कार रुकवाया। पुलिस ने आलाधिकारियों को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भाजपा महिला मोर्चा ने महिलाओं संघ की चाय पर चर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा महिला मोर्चा ने शहर की साहित्यकार व पत्रकार महिलाओं के साथ चाय पर चर्चा के अन्तर्गत वर्तमान राजनीति में महिलाओं का योगदान विषय पर बातचीत की। इस कार्यक्रम की संयोजिका शारदा बाजपेई ने बताया सेक्टर-26 विधायक कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सभी पत्रकार व साहित्यकार महिला बहनों का सम्मान किया गया तथा उनका स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम श्रीमती शारदा चतुर्वेदी अध्यक्षा, महिला मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी, नोएडा महानगर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

सम्मानित होने वाली बहनों के नाम है- अर्चना चतुर्वेदी, शशि पांडे, कुमकुम झा, मधु मोहिनी, मनी मोहिनी, सपन दत्ता, भावना तिवारी,संगीता चौधरी, नीलम भागी, सुमन सिंह, सुनैना सिंह, दिप्ती श्रीवास्तव, आशु नथानी, प्रीति बजाज,सुमन चौधरी आदि बहने थी।

इस कार्यक्रम में प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख श्रीमती सुचित्रा कक्कड़ जी के साथ भाजपा महिला मोर्चा नोएडा महानगर जिले की मीडिया प्रभारी नीता बाजपेई टीम के साथ-साथ मंडल अध्यक्ष तथा उनकी पूरी टीम उपस्थित रही।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेन्डर नोटिस
उप मुख्य इंजिनियर - II/ गति शक्ति यूनिट, ग्वालियर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए **खुली ई-निविदा** (टू-पेकेट सिस्टम) ऑनलाइन (ई- टेन्डरिंग) पद्धति से आमन्त्रित की जाती है:-

ई-टेन्डर क्रमांक: DYCEGSUGWL0124	अनुमानित लागत (₹): 41.67 Crore

कार्य का विवरण: 'ग्वालियर-भिण्ड रेल सेक्शन के समपार संख्या-28 किमी 1259/4-5 पर रेलवे उपरिगामी सेतु के निर्माण के संबंध में।'

निविदा बन्द होने की तिथि: 12.02.2024, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 18 माह,
- ऑनलाइन निविदा दिनांक 12.02.2024 को 11.00 बजे तक जमा की जा सकती है।
- पूर्ण जानकारी तथा निविदा जमा करने के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाईट www.ireps.gov.in देखें।

128/24 (ADM)
North central railways @CPRONCR @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

जेपी अमन सोसायटी में निकाली भव्य कलश यात्रा

नोएडा(चेतना मंच)। आज नोएडा की जेपी अमन सोसायटी में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद भजन कीर्तन और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।

आपको बता दें कि सोमवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस अवसर पर पहले नोएडा और ग्रेटर नोएडा में भी अनेक आयोजन हो रहे हैं। रविवार को नोएडा के सेक्टर 151 स्थित जेपी अमन सोसायटी में आज सुबह भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

कलश यात्रा में शामिल महिला और पुरुष श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पीत वस्त्र धारण कर महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण करके चल रही थी।

इस मौके पर भाजपा नेता योगेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार की शाम से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा और सोमवार को भव्य भंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि जेपी अमन समिति परिसर में भी श्रीराम भगवान की मूर्ति स्थापित की गई है, जहां पर भजन कीर्तन एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम सोमवार को होगा। इसी क्रम में यह आयोजन रखा गया है। उन्होंने कहा कि आज हम सभी का सौभाग्य है कि हम अयोध्या में हो रहे भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बना रहे हैं।

CALIPH EXIM PVT. LTD.
Concept to reality
•ARCHITECTURE •CONSTRUCTION
•INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS !
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

दो दिन तक नोएडा से दिल्ली में एंट्री नहीं कर सकेंगे वाहन

नोएडा/दिल्ली (चेतना मंच)। राष्ट्रीय पर्व गतणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को लेकर देश की राजधानी दिल्ली में भव्य तैयारी की जा रही है। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में भव्य परेड का आयोजन किया जाता है। 23 जनवरी 2024 को दिल्ली में गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल की जाएगी। जबकि 26 जनवरी को सुबह आठ बजे से परेड शुरू होगी।

नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि 23 जनवरी को होने वाली फुल ड्रेस परेड को लेकर 22 जनवरी की रात दस बजे से 23 जनवरी को कार्यक्रम समाप्ति तक तथा 25 जनवरी 2024 की रात 10 बजे से 26 जनवरी 2024 को कार्यक्रम समाप्ति तक नोएडा, ग्रेटर नोएडा (जनपद गौतमबुद्धनगर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यंत्र जाने वाले मालवाहक (भारी, मध्यम व हल्के) वाहनों का सुरक्षा के दृष्टिकोण से दिल्ली राज्य में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यह वाहन निम्ना मार्गों का प्रयोग कर अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे-

चिल्ला रेड लाइट (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे।

डीएनडी (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन डीएनडी टोन प्लाजा से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे।

कालिन्दी कुंज यमुना (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन यमुना नदी से पहले अण्डरपास तिराहा से डायवर्ट किये जायेंगे, जो नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे।

यमुना एक्सप्रेस-वे से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन जीरो प्वाईन्ट से परीचौक की ओर डायवर्ट किये जायेगे जो ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे।

उपरोक्त के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार अन्य वाहनों का डायवर्जन भी किया जा सकता है। रुट डायवर्जन के समय आपातकालीन वाहनों को सकुशल गन्तव्य को भेजा जायेगा। यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर यातायात हेल्प लाइन नम्बर 9971009001 पर सम्पर्क कर सकते है।

रुद्राक्ष-माला लिए पीएम ने अग्नि तीर्थ तट पर लगाई डुबकी, रामेश्वरम मंदिर में की पूजा

नई दिल्ली , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 'अग्नि तीर्थ तट पर स्नान करने के बाद यहां भगवान रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा की। रुद्राक्ष-माला पहने नजर आए प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु के प्राचीन शिव मंदिर रामनाथस्वामी में पूजा की। पुजारियों ने मोदी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। मोदी ने मंदिर में हुए भजनों में भी हिस्सा लिया।

तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम द्वीप में स्थित शिव मंदिर का संबंध रामायण से भी जुड़ा है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान राम ने यहां शिवलिंग स्थापित किया था। भगवान राम और सीता देवी ने यहां पूजा की थी। तिरुचिरापल्ली जिले में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में पूजा

करने के बाद मोदी वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर से यहां पहुंचे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

इससे पहले पीएम मोदी ने पारंपरिक तमिल परिधान पहनकर यहां श्री रंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु के इस प्राचीन मंदिर में दर्शन के दौरान 'वेष्टि (धोती) और 'अंगवस्त्रम (शॉल) पहना था। पूजा अर्चना करने के बाद पीएम मोदी ने मंदिर परिसर में अंडाल नाम के एक हाथी को भोजन देकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान गजराज ने माउथ ऑर्गन भी बजाया।

पीएममोदी ने इस दौरान श्री रंगनाथस्वामी के दर्शन किए। उन्हें मंदिर के पुजारियों ने सदरी प्रदान की। प्रधानमंत्री ने वैष्णव संत-गुरु श्री रामानुजाचार्य और श्री चक्रथाझवार को समर्पित कई सन्नाधि (देवताओं के लिए अलग-अलग पूजास्थल) में प्रार्थना की।

तमिल में इष्टदेव को रंगनाथर के नाम से जाना जाता है। श्रीरंगम मंदिर तमिलनाडु का एक प्राचीन वैष्णव मंदिर है और यह संगम युग का है। विभिन्न राजवंशों ने इस मंदिर का निर्माण और विस्तार किया। इस मंदिर के निर्माण में चोल, पांड्या, होयसाल और विजयनगर साम्राज्य के राजाओं ने योगदान दिया है।

श्रीरंगम मंदिर कावेरी और कोल्लीदम नदियों के संगम पर एक द्वीप पर स्थित है। श्रीरंगम मंदिर को बोलोगा वैकुंठम या पृथ्वी पर वैकुंठम के नाम से भी जाना जाता है।

प्रधानमंत्री शनिवार को चेन्नई से यहां पहुंचे और मंदिर जाते समय अपनी कार के पायदान पर खड़े होकर उन्होंने लोगों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की ओर हाथ हिलाकर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री इसके बाद रामेश्वर के अरुल्मिगु रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

संक्षिप्त खबर

देश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले, पिछले 24 घंटों में 3 की मौत

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत में कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना के 313 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, देश में सक्रिय मामलों में कमी दर्ज की गई है, जो कि घटकर 2,041 रह गए हैं। देश में शुक्रवार को सक्रिय मामलों की संख्या 2,331 थी। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में संक्रमण से कर्नाटक में दो और महाराष्ट्र में एक लोगों की मौत हो गई है। मालूम हो कि पांच दिसंबर तक कोरोना मामलो में कमी दर्ज की गई थी, जो कि इसके मामलों की संख्या दोहरे अंक में आ गई थी। हालांकि, कोरोना के नए वैरिएंट सामने आने के बाद इसके माममें में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि देश में कोरोना का जेएन.1 वैरिएंट न तो नए मामलों में तेजी से वृद्धि कर रहा है और न ही अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर में वृद्धि कर रहा है। मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक इस बीमारी से 4.4 करोड़ से अधिक लोग ठीक हो गए है। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक कोविड टीकों की 220.67 करोड़ खुराकें लगाई जा चुकी हैं।

वरमाला के बाद गायब हुआ दुल्हा रातभर इंतजार करती रह गई दुल्हन

फतेहपुर, । यूपी के फतेहपुर से एक अजब मामला सामने आया है। जहां वरमाल की रस्म के बाद दूल्हा जनवासे से गायब हो गया। वर और कन्या पक्ष दूल्हे की तलाश में रातभर जुटे रहे लेकिन दूल्हे का पता नहीं चल पाया। वहीं गांव के बाहर एक पेड़ पर दूल्हे का कोट मिला। अनहोनी की आशंका जताते हुए लोगों ने पुलिस को इस मामले की सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस, दूल्हे की तलाश में जुट गई। ये घटना थरियांव थाना क्षेत्र का है। भदोहिया मजरे हासिमपुर भेदपुर निवासी एक व्यक्ति के बेटी की शादी सदर सदर कोतवाली क्षेत्र के नयापुरवा निवासी रामलाल के बेटे अजय के साथ तय थी। बुधवार को शादी की दिन मुकर्रर था। तय समय के अनुसार बारात देर शाम आई। शादी की रश्में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार चल रहीं थीं। द्वारचार के बाद वयमाल का कार्यक्रम धूमधाम के साथ हुआ फिर। वयमाल के बाद दूल्हा अजय स्टेज से उतर जनवासे में चला गया। लेकिन थोड़ी ही देर बाद वह लापता हो गया। आगे की रस्म के लिए जब दूल्हे का बुलावा हुआ तो उसके गायब होने की जानकारी लड़की पक्ष हुई। थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर जांच के लिए गई थी। पता चला है कि दोनों पक्षों ने आपस में सुलह समौझाता कर लिया है। शिकायत मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। शादी से दूल्हे के लापता होते ही ग्रामीणों को एक साल पहले का शिवम हत्याकांड याद आ गया। ऐसे ही गांव से 7 दिसंबर 2022 को एक शादी समारोह से शिवम लापता हुआ था। जिसका दस दिन बाद तालाब में बोरे में हत्यायुक्त शव मिला था। हालांकि परिजन दूल्हे को निजी कारणों से शादी से लापता होने की बात कह रहे हैं। दूल्हा शाम से ही नशे में था।

22 जनवरी को अयोध्या नहीं जाएंगे जेपी नड्डा

नई दिल्ली , एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा अयोध्या स्थित राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे और यहां स्थित झंडेवालान मंदिर से इस ऐतिहासिक समारोह को देखेंगे। नड्डा ने 'प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स के जरिए धन्यवाद दिया। न्यास के पास मंदिर के निर्माण और प्रबंधन का प्रभार है।

उन्होंने कहा कि भव्य मंदिर 500 वर्ष के संघर्ष के बाद बनाया जा रहा है और वह 22 जनवरी के बाद अपने परिवार के साथ मंदिर में ''दर्शन के लिए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेताओं को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति मुख्य आकर्षणों में से एक होगी। ऐसा बताया जा रहा है कि सत्तारूढ़ दल के नेता देश के विभिन्न हिस्सों से आम लोगों सहित अन्य लोगों के साथ मिलकर इस समारोह को देखेंगे।

दरअसल पार्टी नेतृत्व ने सुझाव दिया है कि नेताओं को 22 जनवरी के बाद मंदिर में दर्शन करने जाना चाहिए। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अतिथियों के शामिल होने की उम्मीद है। न्यास ने सभी अहम दलों के मुख्य नेताओं, विशेषकर अध्यक्षों को आमंत्रित किया है। समारोह में आमंत्रित लगभग सभी विपक्षी नेताओं ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है और कांग्रेस ने इसे भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यक्रम बताया है।

मंदिर गर्भगृह में जगमोहन पर स्थापित मूर्ति का 81 कलशों से हुआ स्नान

अयोध्या , एजेंसी। रामनगरी अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर के गर्भगृह में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में जगमोहन पर स्थापित मूर्ति को इक्यासी कलशों से स्नान कराया गया है। काशी से आए रामलला के प्राण प्रतिष्ठा में अनुष्ठान करा रहे अरुण कुमार दीक्षित ने बताया कि आज सुबह जगमोहन पर स्थापित मूर्ति को शुद्ध करने के लिये इक्यासी कलशों के विविध औषधि युक्त जल से अचल विग्रह को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्नान कराया गया। उन्होंने बताया कि भगवान रामलला के विग्रह को पहले शकर्राधिवास फिर फलाधिवास में रखा गया। इसके बाद इक्यासी कलशों में एकत्रित विविध औषधियुक्त जल से स्नान कराया गया। उन्होंने बताया कि श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान

आज पांचवें दिन सुबह नौ बजे से शुरू हुआ जो पूजा अनुष्ठान शाम तक चलेगा। प्रतिष्ठा का अनुष्ठान सोलह जनवरी को दोपहर बाद सरयू नदी से प्रारम्भ हुआ था और सत्रह जनवरी को रामलला की मूर्ति का मंदिर परिसर में आगमन हुआ था। मण्डप में आवाहित देवता हैं उनका पूजन तथा हवन किया गया, जो दोपहर एक बजे तक चलता रहा। पुन: दो बजे दोपहर से शाम छह बजे तक पूजन हवन फिर से किया गया। इसके बाद विग्रह को पुष्पाधिवास में रखकर आज की अधिवास प्रक्रिया पूरी की गई।

काशी से आए दीक्षित ने बताया कि आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित, अरुण कुमार दीक्षित, सुनील दीक्षित, अशोक वैदिक दीक्षित, राजेन्द्र वैदिक उफ 'पुरुषोत्तम के अलावा देश के विभिन्न प्रांतों से जैसे महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के एक सौ इक्कीस पंडितों ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में जगमोहन पर स्थापित मूर्ति को इक्यासी कलशों से स्नान मंत्रोच्चार के द्वारा कराया। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पांचवे दिन जारी रहा जहां वास्तु पूजा भी सम्पन्न हुई। रामलला का पुराना विग्रह अभी पूर्वत: विद्यमान है।

उचित समय पर उसे पूरे धार्मिक विधि विधान के साथ मंदिर में विराजमान किया जायेगा। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में रामलला के विग्रह के अधिवास के साथ आज मुख्यत: वास्तु पूजा सम्पन्न हुई। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से डा. अनिल मिश्रा सपरिवार और विश्व हिन्दू परिषद के कार्याध्यक्ष आलोक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन दिल्ली में बंद रहेंगे बूचड़खाने मीट-मछली की दुकानें भी नहीं खुलेंगी

नई दिल्ली , एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में जश्न का माहौल है। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों की दो बजे तक छुट्टी भी कर दी है।

रेस्त्रां में मिलेगा वेज खाना

साथ ही उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, देश की राजधानी दिल्ली में भी बूचड़खानों, मीट की दुकानों, मछली की दुकान वालों से अपनी दुकानें बंद रखने की अपील की गई है।

दिल्ली मीट मर्चेंट एसोसिएशन के महासचिव इरशाद कुरैशी ने शनिवार को मांस और मछली बेचने वाले सभी व्यापारियों से अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के सम्मान में 22 जनवरी को अपनी दुकानें बंद रखने की अपील की।

अयोध्या में भगवान राम की प्राण

प्रतिष्ठा के लिए लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए दिल्ली में सभी बूचड़खानों, मांस और मछली की दुकानों को पूरे दिन बंद रखने को कहा गया है।

कुरैशी ने बताया कि उनका मकसद दोनों समुदायों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना और लोगों को एक साथ लाना है। हमने राम मंदिर के उद्घाटल के अवसर पर बूचड़खानों, मांस और मछली विक्रेताओं से हमारे हिंदू भाइयों और बहनों के उत्सव के प्रति सम्मान दिखाने के लिए 22 जनवरी को अपनी दुकानें बंद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एक दिन के लिए कारोबार बंद करने से व्यापारियों पर उतना असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। दिल्ली के कनॉट प्लेस के कई रेस्तरां ने भी 22 जनवरी को ग्राहकों को नॉनवेज नहीं परोसने का एलान किया है। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) के संयुक्त सचिव अमित गुप्ता ने कहा कि कनॉट प्लेस के कई रेस्तरां ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन शाकाहारी भोजन परोसने का वादा किया है।

1992 से नहीं पहने जूते, नंगे पैर चलकर गुजरात से अयोध्या धाम पहुंचा शख्स

नई दिल्ली , एजेंसी। अयोध्या पूरी तरह से धार्मिक उत्साह में डूबी हुई है और हर ओर सीता राम और जय हनुमान के जयकारे सुनाई दे रहे हैं। लोग जय श्री राम लिखे वस्त्र धारण किए दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के अहमदाबाद से साइकिल चलाकर 63 वर्षीय नेमाराम प्रजापति भगवान राम की भूमि यानी अयोध्या पहुंचे हैं। प्रजापति ने कहा,मैंने 1992 से जूते नहीं पहने हैं और मेरा संकल्प था कि मैं जूते तभी पहनूंगा जब अयोध्या में राम मंदिर बन जाएगा। मैं प्रभु राम के दर्शन के लिए अहमदाबाद से नंगे पैर साइकिल चलाकर अयोध्या पहुंचा हूं। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पहले पोस्टर लगाए गए हैं जिनपर शुभ घड़ी आई, तैयार है अयोध्या धाम, विराजेंगे श्री राम और राम

फिर लौटेंगे जैसे नारे लिखे हैं। नगर में राम मार्ग, सरयू नदी तट और लता मंगेशकर चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर पोस्टरों पर रामायण के विभिन्न श्लोक भी छापे गए हैं।

एक अधिकारी ने कहा, सभी प्रकार के पोस्टर और होर्डिंग निर्दिष्ट स्थानों पर लगाए गए हैं चाहे वह किसी न्यास, राजनीतिक संगठन या किसी व्यक्ति द्वारा लगाए गए हों।

प्रजापति की साइकिल के सामने एक बोर्ड पर लिखा है कि उनकी अहमदाबाद-अयोध्या यात्रा पिछले साल दो दिसंबर को शुरू हुई और वह इस दौरान राजस्थान के पवित्र स्थलों पर भी गए। ओम भगत(47) जो अब खुद को बुद्ध अंकल कहते हैं। वह भी अखिल भारतीय साइकिल यात्रा पर हैं और बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंचे।

भगत ने कहा, मैंने 20,000 किलोमीटर की दूरी तय की है और अबतक तय किए गए राज्यों में उत्तर प्रदेश मेरा 16वां राज्य है। मुझे सभी 4,000 शहरों, 741 जिलों की यात्रा करनी है। मैं प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या में रहना चाहता था इसलिए मैंने इसके अनुसार अपनी यात्रा बनाई।

मिशन 2024 : बसपा, हर दिन हर विधानसभा क्षेत्र में लगाएगी चौपाल

लखनऊ, एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा चुनाव अपने दम पर लड़ने की तैयारियां तेज कर दी हैं। उन्होंने शनिवार को पार्टी कार्यालय में यूपी और उत्तराखंड के पदाधिकारियों के साथ बैठक में निर्देश दिया कि रोज हर विधानसभा क्षेत्रों में चौपाल लगाई जाए। हर विधानसभा क्षेत्र के दो सेक्टरों को इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने इसके साथ ही योग्य और जिताऊ उम्मीदवारों के चयन के निर्देश जोनल प्रभारियों को दिए हैं।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि कॉडर कैंप यानी चौपाल के सहारे लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाए। हर कैंप में दलितों के साथ अति पिछड़ों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और शोषितों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्हें बताया जाए कि बेहतर परिणाम आने पर बसपा सत्ता में शामिल होगी और उनके हितों में काम करेगी।

क्या कोई गांधी परिवार से भी ज्यादा भ्रष्ट हो सकता है, सीएम सरमा का पलटवार

गुवाहाटी , एजेंसी। नेशनल डेस्क- कांग्रेस द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर पलटवार करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि गांधी परिवार से ज्यादा भ्रष्ट कोई नहीं हो सकता। असम में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा% के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दो दिन में कई सार्वजनिक सभाओं में सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया है। उन्होंने शनिवार को तीसरे दिन भी राज्य में यात्रा की अगुवाई की। इसके बाद यात्रा अरुणाचल प्रदेश पहुंच गई। यात्रा रविवार को फिर असम में दाखिल होगी।

सरमा ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''तथाकथित गांधी परिवार से आने वाली किसी भी अपमानजनक टिप्पणी को मैं आशीर्वाद की तरह मानता हूं, क्योंकि यह मुझे ऐसे परिवार के खिलाफ लड़ने की ऊर्जा देता है, जो अपने आप को सबसे ताकतवर मानता है। उन्होंने यह भी कहा, ''लेकिन मैं केवल एक बात पूछना चाहता हूं कि क्या कोई गांधी परिवार से भी ज्यादा भ्रष्ट हो सकता है? - बोफोर्स घोटाला, नेशनल हेराल्ड घोटाला, भोपाल गैस त्रासदी, एंडरसन का भागना, 2जी घोटाला, कोयला घोटाला आदि (सूची बड़ी लंबी है और यह जारी है।)

राहुल ने शर्मा की आलोचना करते हुए उन्हें देश में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। उन्होंने कहा था, ''असम के मुख्यमंत्री इतने भ्रष्ट हैं कि वह भाजपा शासित अन्य राज्यों के अपने समकक्षों को भ्रष्टाचार करना सिखा सकते हैं।

तमिलनाडु राजभवन पर पेट्रोल बम फेंकने वाले के खिलाफ एनआईए ने दायर की चार्जशीट

नई दिल्ली , एजेंसी। तमिलनाडु के राजभवन पर पिछले साल अक्टूबर में पेट्रोल बम से हमला किया गया था। इस मामले में एक आरोपित के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चार्जशीट दायर की है। कई कानूनी धाराओं के तहत शुक्रवार को चेन्नई के पूनमल्ली में एनआईए की विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया है।

बता दें कि तमिलनाडु के राजभवन के मुख्य द्वार के सामने पिछले साल 25 अक्टूबर को एक व्यक्ति ने पेट्रोल बम फेंका। विपक्षी दलों ने घटना को लेकर राज्य में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक पर निशाना साधा था। राजभवन ने दावा किया था कि बम ले जाने वाले उपद्रवियों ने मुख्य द्वार से अंदर घुसने की कोशिश की थी। हमलावरों ने राजभवन के अंदर दो पेट्रोल बम फेंके और भाग निकले।

राजभवन ने आरोप लगाए थे कि राज्यपाल आरएन रवि को सार्वजनिक तौर पर जान से मारने की धमकी देने की घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस मामले में राज्य पुलिस की उदासीनता ने उनकी सुरक्षा को नुकसान पहुंचाया है।

'धर्म अलग, लेकिन हमारे पूर्वज एक', कश्मीर से मुस्लिमों ने रामलला के लिए भेजा खास केसर

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में 500 साल से ज्यादा लंबे समय के इंतजार के बाद भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पीएम मोदी समेत तकरीबन आठ हजार लोग शामिल होंगे। इस कार्यक्रम से पहले भगवान राम के मंदिर को सजाया, संवारा जा रहा है। मंदिर के लिए देश-विदेश से तमाम गिफ्ट्स आ रहे हैं। इसी तरह कश्मीर के रहने वाले कुछ लोगों ने रामलला की सेवा के लिए कश्मीर का खास ऑर्गेनिक केसर गिफ्ट किया है। वहीं, अफगानिस्तान की नदी का जल भी अभिषेक के लिए भेजा गया है।

अयोध्या में विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार ने कश्मीर, तमिलनाडु और अफगानिस्तान से आए इन गिफ्ट्स को यजमान डॉ. अनिल मिश्रा को भेंट किया। आलोक कुमार ने कहा, %%कश्मीर के कुछ मुस्लिम भाई और बहन आए थे। उन्होंने काफी आनंद व्यक्त किया कि यहां राम लला का मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा मजहब अलग है, लेकिन हमारे पूर्वज एक हैं। राम हमारे आदरणीय पुर्खे हैं।

इसके बाद उन्होंने मुझे कश्मीर का दो किलो केसर श्री राम लला की सेवा के लिए भेंट किया। इस पूरे कार्यक्रम के मुख्य यजमान डॉ. अरविंद मिश्रा को यह केसर भेंट की जा रही है। इसके अलावा, तमिलनाडु के रेशम निर्माताओं ने श्री राम मंदिर को चित्रित करने वाली रेशम की चादर भेजी है। वहीं, अफगानिस्तान से कुभा (काबुल) नदी का जल श्री राम के अभिषेक के लिए भेजा गया है।

ब्लैककैट कमांडो, बख्तरबंद गाड़ियां, अभेद्य किले में तब्दील हुई अयोध्या

अयोध्या , एजेंसी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या पूरी तरह से छावनी में तब्दील में हो गई है। अयोध्या में एंट्री प्वाइंट से लेकर मंदिर प्रांगण तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस और एटीएस कमांडो की तैनाती की गई है। अत्याधुनिक सुरक्षा यंत्रों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अयोध्या पर नजर रखने के लिए ब्लैककैट कमांडो, बख्तरबंद गाड़ियां और ड्रोनों की तैनाती की गई है। एनडीआरएफ की टीम सरयू नदी में मोहड़ा संभाल चुकी है। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरी अयोध्या को अभेद्य किला बना दिया है। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ देश की कई जानी-मानी हस्तियां भी शिरकत करेंगी। देश के बड़े उद्योगपति से लेकर कई बॉलीवुड स्टार भी शामिल होंगे। ऐसे में सुरक्षा पूरी तरह से चाक चौबंद की जा रही है। शहर के हर एक चौक-चौराहे पर पुलिस और एटीएस कमांडो के जवान तैनात हो चुके हैं। सुरक्षा को देखते हुए शनिवार से अयोध्या में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक भी लग गई है।

अयोध्या की चाक चौबंद सुरक्षा का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि वहां होने वाले समारोह के लिए यूपी पुलिस की तरफ से 3 डीआईजी की तैनाती की गई है। इसके अलावा 17 आईपीएस और 100 पीपीएस स्तर के अधिकारी सुरक्षा का मोहड़ा संभाले हुए हैं। इन अधिकारियों के साथ 325 इंस्पेक्टर, 800 सब इंस्पेक्टर और 1000 से अधिक कांस्टेबल भी तैनात हैं।

पूरी अयोध्या को रेड जोन और येलो जोन में बांटा गया है। रेड जोन में पीएसी की 3 बटालियन की तैनाती

की गई है जबकि येलो जोन में 7 बटालियनों हैं। इसके अलावा पीएसी की तीन म्यूजिक बैंड भी बुलाए गए हैं जो समारोह के दौरान अपने बैंड के जरिए रामलला का स्वागत करेंगे।

पुलिस के साथ-साथ निजी एजेंसियों को भी सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा दिया गया है। सिक्योरिटी एजेंसी एसआईएस के डायरेक्टर ऋतुराज सिन्हा ने दावा किया कि उन्होंने कुछ ऐसी तकनीक को विकसित किया है जिससे कि मंदिर परिसर में अगर कोई हिस्ट्रीशीटर आता है तो महज कुछ सेकेंड में ही कैमरे से ही उसकी पहचान हो जाएगी।

ऋतुराज ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने उन्हें अपराधियों का एक डेटाबेस तैयार करके दिया है। इस डेटाबेस को हमने अपने टेक्नोलॉजी के साथ अपडेट किया है। इसी के आधार पर यदि कोई भी हिस्ट्री शीटर या ऐसा अपराधी जो पुलिस की नजरों से भागा हुआ है। वह हमारे कैमरे के रडार पर आता है तो हम कुछ ही सेकंड्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उसकी पहचान कर सकेंगे। उन्होंने दावा किया कि यह डेटाबेस 99 17 फीसदी की सटीकता दर के साथ पंजीकृत अपराधियों के बीच किसी भी संदिग्ध चेहरे की पहचान करने में अयोध्या की सहायता करता है।

फेस डिटेक्शन तकनीक का भी सहारा लिया जा रहा है। इसके लिए निगरानी कैमरों को विशेषता-आधारित खोज करने के लिए इक्विपमेंट लगाया गया है। दावा यह किया जा रहा है कि जरूरी विशेषताओं जैसे कि कपड़े, रंग, सहायक उपकरण, या साथ वाले बच्चों आदि के आधार पर भीड़ से व्यक्तियों की पहचान करता है। भारत में आपराधिक रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में आगे करने के लिए स्टैक, यूपी पुलिस विभाग (विशेष कार्य बल) सहित नौ राज्य विभागों के साथ सहयोग करता है। यह एआई जनरेटेड डाटा की सहायता लेता है। कंपनी का त्रिनेत्र टूल आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए चेहरे की पहचान को ऑडियो संकेतों के साथ जोड़ता है। अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन में एआई-सक्षम सुरक्षा सेवाओं का प्रावधान स्टैक नई टेक्नोलॉजीज को दिखाता है, जो अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

जमानत अर्जी में पूर्व की याचिकाओं और उन पर आए आदेशों का दिया जाएगा ब्योरा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमेदारों द्वारा कोर्ट से सत्य छिपाने और कोर्ट को भ्रमित करने के लिए किसी भी हद तक जाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। जमानत अर्जियों में पूरी सच्चाई कोर्ट के सामने न रखने और कोर्ट को भ्रमित करने पर अंकुश लगाने के लिए जमानत अर्जियों के बारे में दिशा निर्देश जारी किये हैं।

इसमें कहा गया है कि दाखिल की जाने वाली जमानत अर्जी में पूर्व में दाखिल की गई याचिकाओं और उन पर आये आदेशों का पूरा ब्योरा दिया जाए। ये आदेश न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और राजेश बिंदल की पीठ ने 19 जनवरी शुक्रवार को कुशा दुरुका बनाम उड़ीसा राज्य मामले में दिये। इस मामले में विशेष अनुमति याचिका दाखिल कर जमानत मांग रहे अभियुक्त ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पूरी सच्चाई नहीं रखी थी।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित रहते हुए हाई कोर्ट में दूसरी जमानत अर्जी दाखिल की और हाई कोर्ट से जमानत ले ली थी। हाई कोर्ट को भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित होने की बात नहीं बताई थी।

हाई कोर्ट से जमानत मिलने का तथ्य सामने आने पर सुप्रीम कोर्ट ने मामले का रिकार्ड और रिपोर्ट मंगाई थी, जिससे पूरी सच्चाई सामने आयी। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में नैतिक मूल्यों में आती गिरावट पर चिंता जताई है। कहा है कि सदियों से भारतीय समाज में सत्य का महत्व रहा है लेकिन याचिकाकर्ता ने इसे छुपाने की कोशिश की है।

गौरवशाली पर्यटक स्थल
आगरा

कैसे जाएं - यहां के लिए विमान सेवा की सुविधा है। 7 किलोमीटर की दूरी पर हवाई अड्डा है। आगरा के समीप 4 रेलवे स्टेशन हैं-आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ईदगाह आगरा जंक्शन और राजा की मंडी। सड़क मार्ग द्वारा देश के विभिन्न भागों से जुड़ा है।

अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर आगरा देश-विदेश में लोकप्रिय पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां की प्राचीन धरोहर मुगल काल की याद ताजा कर देती हैं। बात चाहे मो हब्बत की निशानी ताजमहल की हो या आगरा के किले की या फिर फतेहपुर सीकरी की, आगरा और उसके आसपास सारी ऐतिहासिक इमारतें एक से बढ़कर एक हैं। आगरा में विश्व की तीन सांस्कृतिक धरोहरें हैं। ताजमहल, आगरा का किला और फतेहपुर सीकरी। यह शहर यमुना नदी के तट पर बसा है। आगरा शहर को सकिंदर लोदी ने 1506 ई. में बसाया था। आगरा लंबे समय तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। इसकी लोकप्रियता के कारण ताजनगरी आगरा सिर्फ उत्तर प्रदेश का ही नहीं बल्कि भारत का गौरव है। इस गौरवशाली शहर की ऐतिहासिक इमारतों का दीदार करने चलें-

ताजमहल

विश्व के सात अजूबों में ताजमहल एक महत्वपूर्ण अनोखा स्थान रखता है। यह खूबसूरत प्यार का महल शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का मकबरा विश्व के सबसे मशहूर इमारतों में से एक है। इसे बनाने में बाइस वर्ष (1630-1652) लगे। इसे बनाने में 20,000 कारीगरों की अथक मेहनत लगी थी। इसका निर्माण 1653 में पूरा हुआ। पूरे संगमरमर में तराशा हुआ यह भारत का ही नहीं विश्व की भी अति उत्तम कृति है। यह मुगल शैली के चार बाग के साथ स्थित है जिसे फारसी वास्तुकार उस्ताद ईसा खां के दिशा निर्देश में यमुना नदी के किनारे बनवाया गया। इसके ऊपर 22 छोटे गुम्बद हैं जो इसके निर्माण वर्षो की संख्या बताते हैं। ताजमहल को एक लाल बलुआ पत्थर के चबूतरे पर बने सफेद संगमरमर के चबूतरे पर बनाया गया है। ताज की सर्वा धिक सुंदरता इसके इमारत के बराबर ऊंचे महान गुंबद में बसी है। यह 60 फीट व्यास का 80 फीट ऊंचा है। इसके नीचे मुमताज की कब्र है। इसके बराबर ही शाहजहां की भी कब्र है। अंदरूनी क्षेत्रों में रत्नों और बहुमूल्य पत्थरों का काम है। इसके साथ एक खबर- पर्य टकों के लिए शुक्रवार को बंद रहता है।

आगरा का किला

आगरा का दूसरा विश्व धरोहर है- आगरा का किला। जो शहर के बीचोंबीच सर उठाए खड़ा है। इसे लोग लाल किला भी कहते हैं। यह अकबर द्वारा 1565 में बनवाया गया था। बाद में शाहजहां ने इस किले का पुनरुद्धार बलुआ पत्थर से करवाया था। इस किले की मुख्य इमारतों में मोती मस्जिद, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल और मुसम्मन बुर्ज हैं। इसकी पूरी परिधि 24 किलोमीटर की है, जो दोहरे पर कोटेवाली किलेनुमा चहारदीवारी से घिरी है। शिवाजी 1666 में पुरंदरपुर संधि हेतु यहां आये थे। उनकी याद में एक बड़ी मूर्ति यहां स्थपित है। किले को देखने में आप का अच्छा-खासा समय लगेगा।

फतेहपुर सीकरी

मुगल सम्राट अकबर ने फतेहपुर सीकरी बसाई व अपनी राजधानी स्थानांतरित की। यह आगरा से 35 किलोमीटर दूर है। यहां अनेकों भव्य इमारतें बनवाई।

यहां का बुलंद दरवाजा एक विश्व धरोहर स्थल है। बुलंद दरवाजा 53.63 मीटर ऊंचा और 35 मीटर चौड़ा है। यह लाल और शौकीन बलुआ पत्थर से बना है। जो नक्काशी और काले व सफेद संगमरमर से सजाया गया है। यहां पर दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास एवं पचीसी दरबार के अद्भुत प्राचीन वास्तुशिल्प को पर्यटक देखकर आनंदित और रोमांचित हो जाते हैं। मान्यता है कि सूफी संत शेख सलीम चिश्ती का घराना यहां पर ही था।

एतेमादुल्ला मकबरा

नूरजहां ने एतेमादुल्ला का मकबरा बनवाया था। यह उनके पिता ग्यासुद्दीन बेग, जो जहांगीर के दरबार में मंत्री थे, की याद में बनवाया गया था। मुगल काल के अन्य मकबरों सें अपेक्षाकृत छो टा हो ने से इसे श्रृंगारदान भी कहा जाता है। यहां के बाग, पीट्रा ड्यूरा पच्चीकारी व कई कलाकारी ताजमहल से मिलते हुए हैं।

जामा मस्जिद

जामा मस्जिद विशाल मस्जिद है। जो शाहजहां की पुत्री जहांआरा बेगम को समर्पित है। इसका निर्माण 1648 में हुआ था। यह अपने मीनार रहित ढांचे तथा विशेष प्रकार के गुंबद के लिए मशहूर है।

चीनी का रोजा

चीनी का रोजा शाहजंहा के मंत्री अल्लामा अफजल खां शकराउल्ल शिराज को समर्पित है। पारसी शिल्पकारी वाले चमकीले नीले रंग के गुम्बद के लिए यह जानी जाती है।

मेहताब बाग

मेहताब बाग ताजमहल के विपरीत यमुना के किनारे उत्तर में स्थित है। यह सबसे पुराना मुगल उद्यान है। इसे बाबर ने सन 1528 में बनवाया था। यह उद्यान ताजमहल से 2.34 किलोमीटर दूर है।

स्वामी बाग

स्वामी बाग समाधि हुजूर स्वामी महराज शिवदयाल सिंह सेठ का स्मारक है। यह शहर के बाहरी क्षेत्र में है जिसे स्वामी बाग कहते हैं। वे राधास्वामी मत के संस्थापक थे। इसका निर्माण 1908 में आरंभ हुआ था। कहते हैं कि यहां कार्य कभी समाप्त नहीं होगा। इसमें त संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

सकिंदरा

आगरा से 13 किलोमीटर दूरी पर महान मुगल सम्राट अकबर का मकबरा है। यह मकबरा उनके व्यक्तित्व की पूर्णता को दर्शाता है। अकबर ने स्वयं ही अपने मकबरे की रूपरेखा तैयार करवाई थी। उसी स्थान का चुनाव उसने स्वयं ही किया था। अपने जीवन काल में ही अपने मकबरे का निर्माण करवाना एक तुर्की प्रथा थी। जिसका मुगल शासक ने धर्म की तरह पालन किया। अकबर के पुत्र जहांगीर ने इस मकबरे का निर्माण 1613 में करवाया।

मरियम मकबरा

मरियम मकबरा अकबर की इसाई बेगम का मकबरा है। जो आगरा और सिकन्दराबाद के बीच में है। मुहम्मद कामिल खां कब जाएं कभी भी आगरा जा सकते हैं। वैसे नवम्बर से मार्च में जाना बेहतर है। सर्दियों के मौसम में घूमने और भी आनन्द आता है। आजकल आगरा में 'ताज महोत्सव' चल रहा है। इसकी शुरुआत 18 फरवरी को हो गई है , जो 27 फरवरी तक चलेगा। महोत्सव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होंगे।

केरल
में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

आप प्रकृति प्रेमी हैं और प्रकृति की गोद में समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए केरल सबसे अच्छा जगह है। अगर छुट्टी की योजना बना रहे हैं तो केरल में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है जैसे बीच (समुद्र तट) और जंगल के रंगबिरंगे प्राकृतिक नजारे। केरल में कई आकर्षण है जैसे पर्वत-पहाड़, घास के मैदानों, चाय के बगान और वन्यजीव। केरल में इन जगहों पर यात्रा कर आप जोश और उत्साह से भर जाएंगे। क्योंकि यहां कि प्राकृतिक सुंदरता को देखकर आपको काफी संतुष्टि और आनंद मिलता है। केरल में ट्रैकिंग का आनंद उठाने के इन जगहों पर जाया जा सकता है।

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। मुन्नार में दक्षिणी भारत की सबसे ऊंची चोटी अनामुडी है जिसकी ऊंचाई लगभग 2695 मीटर है। यह चोटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ट्रैकिंग के लिए सही स्थान है। यहां ट्रैकिंग के रास्ते में इराविकुलम नेशनल पार्क है। यह अभयारण्य नीलगिरी की जाति को बचाने के लिए स्थापित किया गया था। मुन्नार में चाय की खेती सर्वाधिक रूप से की जाती है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है। यह फूल बारह वर्षो में केवल एक बार पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। वन विभाग से अनुमति लेकर अनामुडी पर चढ़ाई की जाती है।

अगस्त्यकूडम

पश्चिमी घाट का शानदार चोटी अगस्त्यकूडम एक तीक्ष्ण शंकु के रूप में 1890 मी. की ऊंचाई पर स्थित है। बोनाकॉड से लगभग 61 किमी की दूरी तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके चारों ओर घने वन घिरे हैं। एक मान्यता के अनुसार यह चोटी ऋषि अगस्त्य का निवास स्थल हुआ करता था। इस शिखर यानी चोटी पर महिलाओं को चढ़ने की अनुमति नहीं है। इस चोटी पर दुर्लभ जड़ी-बूटियां तथा वनस्पतियां पाई जाती हैं। इसकी ढालों पर नीलकुरंजी के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। नीलकुरंजी एक ऐसा फूल है जो बारह वर्षो में एक बार खिलता है।

चेंब्रा

चेंब्रा चोटी वायनाड जिले में मेप्पड्या शहर के पास स्थित है और यह इस जिले की सबसे ऊंची चोटी है। यह चोटी समुद्र स्तर से 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाटी का एक हिस्सा है। इस चोटी को वायनाड के किसी भी हिस्से से देखा जा सकता है। यह पर्यटकों का पसंदीदा ट्रैकिंग जगह है। कुछ जंगली जानवरों इस शिखर पर होते हैं। ट्रेकर को उन्हें देखने का मौका मिल सकता है।

चिम्मिनी

केरल के त्रिशूर जिले स्थित चेम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य पक्षियों पर नजर रखने का सही ठिकाने है। ट्रेकर अभयारण्य के बाहरी इलाके से यात्रा कर सकते हैं। घने जंगलों के माध्यम से यात्रा करना जंगल प्रेमियों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यहां पुंडा चोटी उच्चतम बिंदु है। चिम्मिनी में ट्रैकिंग कार्यक्रम वन विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। यहां अक्टूबर-मार्च यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है।

पयथल माला

केरल के कन्नूर जिले में एक हिल स्टेशन पयथल माला स्थित है जो घने जंगलों से पूरे तरह घिरा हुआ है। यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां पशुओं और पेड़-पौधों की कई विविध प्रजातियां पाई जाती हैं। इस क्षेत्र में पर्यटक 6 किमी. की दूरी तक चोटी से पहाड़ी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। पर्यटकों को घाटियों पर दिखने वाले अद्भूत नजारे प्राकृति शांति का अनुभव कराता है। यहां एक प्राचीन महल है जो पुराने जमाने के आदिवासी शासक (वैथलकॉन) के नाम पर है। इसी के नाम पर हिल स्टेशन पर स्थित है। पयथल माला को वैटल माला के नाम से भी जाना जाता है।

पहाड़ियों से घिरा इटली का खूबसूरत शहर ट्यूरिन

ट्यूरिन एक घनी आबादी वाला शहर है यह पहले कभी इटली की राजधानी हुआ करता था। यहां की सभ्यता, भाषा, खानपान बिल्कुल अलग है। इस शहर की गगनचुंबी इमारतें बहुत पुरानी हैं। इटली की मुद्रा लीरा है जिसका दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर से बहुत कम है इसलिए यहां वस्तुओं की कीमत हजारों, लाखों से शुरू होती है। मसलन खाने के लिए एक पिज्जा लगभग 10 से 12 हजार लीरा का आता है। यदि आप मकान खरीदने जाएंगे तो कम से कम तीनल्ख्वार करोड़ लीरा देने पड़ेंगे। यदि आप घर का कुछ हल्कालल्फुल्का सामान खरीदने जाएंगे तो कम से कम पचास हजार लीरा तो खर्च हो ही जाएंगे। यहां अधिकांश वस्तुएं उपयोग करो और फेंक दो वाली होती हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इटली में बाल कटवाने के लिए 20 हजार लीरा तक आपको देने पड़ेंगे।

ट्यूरिन के लोग इटालियन भाषा बोलना पसंद करते हैं। यहां शिक्षा भी इटालियन भाषा में दी जाती है। इटालियन भाषा के कुछ शब्द तो भारतीय बोलचाल की भाषा से काफी मिलतेल्जुलते हैं। जैसे कमीज को कमीचा, आज को ओज्जी व तुम को तू बोला जाता है। आधुनिकता के मामले में यहां के लोग अन्य यूरोपीय देशों से पीछे नहीं हैं।

ट्यूरिन पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इनमें प्रमुख हे आल्पस। इटली के दक्षिण भाग में स्थित सिसली में विश्व प्रसिद्ध एटन नामक ज्वालामुखी है। यहां के लोग संगीत के शौकीन हैं। यहां लगभग हर घर में प्यानो होता है। यहां का मौसम अन्य यूरोपीय देशों की तरह परिवर्तनशील है। यहां पांच दिनों का सप्ताह होता है।

यहां के चौराहे बड़ेल्खड़े हैं जिन्हें प्रियात्सा कहा जाता है। यहां कई प्राचीन मीनारें हैं इनमें प्रसिद्ध पालातिनि टावर, प्रियात्सा कास्तेलो स्थित पलाजो मदामा व पुराने महलों में विक्टोरिया अमीदियो द्वारा बनाए गए हंटिंग लाज प्रसिद्ध हैं। ट्यूरिन का वानस्पतिक उद्यान बोटेनिकल गार्डन ट्यूरिन विश्वविद्यालय के मत्तीओली मार्ग पर है।

ट्यूरिन एक हराभरा शहर भी है। यहां पर अनेक पार्क और बागल्ख्बगीचे हैं। उदाहरण के लिए वेलेंटिना पार्क जो पिछली शताब्दी के मध्य में इटली का पहला पार्क था। शहर के बाहरी छोर पर ला मंदरीना पार्क भी है इसका क्षेत्रफल 6,500 हेक्टेयर है।

ट्यूरिन के दर्शनीय स्थलों में यहां के संग्रहालय सबसे आकर्षक हैं। इजिप्शियन संग्रहालय में लगभग 30 हजार देखने योग्य चीजें हैं। यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा संग्रहालय है। रायल आरमोरी यूरोप के बड़े संग्रहालयों में से एक है जिसमें 14 से 20वीं शताब्दी तक के हथियार रखे हुए हैं।

यहां का आटोमोबाइल संग्रहालय लगभग 10 हजार वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें पुरानी से पुरानी कारों का इतिहास है। इसमें इटली की पहली कार भी रखी हुई है। ट्यूरिन इटली का ऐतिहासिक शहर है जोकि विश्व भर के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

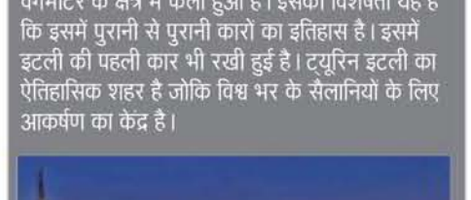

अंडर 19 विश्व कप के पहले मुकाबले में आज बांग्लादेश पर जीत दर्ज करने उतरेगी भारतीय टीम

ब्लोमफोंटेन (एजेंसी)। भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम शनिवार को आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के पहले मुकाबले में बांग्लादेश से खेलेगी। भारतीय टीम की कप्तानी उदय सहारन करेंगे। अंडर 19 विश्व कप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में यूएई, बांग्लादेश और आयरलैंड के साथ रखा गया है। भारतीय टीम को 2020 में आयोजित अंडर 19 टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की टीम ने ही फाइनल में 3 विकेट से हराकर खिताब जीता था। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस बार उससे हिसाब बराबर करना रहेगा।

भारतीय टीम बांग्लादेश के बाद 25 जनवरी को आयरलैंड का सामना करेगी। वहीं अंतिम लीग मैच में भारतीय टीम 28 जनवरी को यूएई से खेलेगी।

भारतीय टीम ने सबसे अधिक अंडर-19 खिताब जीते हैं और इस बार भी उसका लक्ष्य ये सिलसिला आगे बढ़ाना रहेगा।

ग्रुप ए में पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम बांग्लादेश के बाद आयरलैंड और अमेरिका से खेलेगी। भारतीय टीम ने साल 2002 में मोहम्मद कैफ की कप्तानी में पहला खिताब जीता था। उसके बाद से 2008, 2012, 2018 और 2022 में भारत चैम्पियन रहा। इसमें चार समूहों में चार चार टीमें रखी गई है। हर समूह से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी। इसका सेमीफाइनल आठ और छह फरवरी को जबकि फाइनल 11 फरवरी को बेनोनी में खेला जाएगा।

भारतीय टीम में अर्शिन कुलकर्णी भी हैं जो आईपीएल में अनुबंध पाने वाले इस टीम

के दो खिलाड़ियों में से एक हैं। अर्शिन ने टूर्नामेंट में नौ छक्के लगाए थे। इसके अलावा टीम में मुशीर खान और राज लिम्बानी जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं।

टीम

भारत -उदय सहारन (कप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रूद्र मयूर पटेल, सचिन दास, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, अरावेली अवनीश राव, स्वामी कुमार पांडे, मुरूगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्य शुक्ला, राज लिम्बानी, नमन तिवारी।

बांग्लादेश - महफुजूर रहमान रब्बी (कप्तान), आशिकुर रहमान शिबली, जिशान आलम, आरिफुल इस्लाम, मोहम्मद शिहाब जेम्स, अहरार अमीन, शेख परवेज जिबोन, वासी सिद्दीकी, मारूफ एम, चौधरी मोहम्मद रिजवान, आदिल बिन सिद्दीक, मोहम्मद अशरफुज्जामन, मोहम्मद रफी उज्जामन रफी, रहनत दौला बोरसन, इकबाल हुसैन एमन।

बोपन्ना-इबडेन की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंची

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू इबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को शुक्रवार को यहां आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में पहुंचने के लिए जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने जॉन मिलमैन और एडवर्ड विंटर की स्थानीय वाइल्डकार्ड जोड़ी को एक घंटे से जरा ज्यादा समय तक चले दूसरे दौर के मैच में 6-2, 6-4 से पराजित किया।

अब तीसरे दौर में इस जोड़ी की भिड़ंत नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिच की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगी। भारत के 43 वर्षीय बोपन्ना और इबडेन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हर तरफ से दबदबा बनाया। उन्होंने पहली सर्विस में 80 प्रतिशत अंक जुटाये जबकि मिलमैन और विंटर की जोड़ी 68 प्रतिशत ही ऐसा कर पायी। बोपन्ना-इबडेन ने इस दौरान मैच की सबसे तेज सर्विस भी लगायी जो 203 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली रही।

भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने प्रतिद्वंद्वी के 11 विनर की तुलना में 17 विनर जमाये। गुरुवार को पहले दौर के मैच में बोपन्ना-इबडेन ने आस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और मार्क पोलमैंस की जोड़ी को 7-6 (7), 6-4, 7-6 (10) से मात दी थी। इससे पहले एक अन्य भारतीय श्रीराम बालाजी ने रोमानियाई जोड़ीदार विक्टर व्लाड कोर्निया के साथ मिलकर पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनायी।

उन्होंने इटली के मात्तेओ अर्नाल्डी और आंद्रिया पेलेग्रिनो को 6.3, 6.4 से हराया। अगले दौर में उनका सामना दसवीं वरीयता प्राप्त अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पाविच से होगा। सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम में भारत की एकल चुनौती गुरुवार को सुमित नागल की दूसरे दौर में चीन के जुनचेंग शांग से मिली हार से खत्म हो गई थी।

फैंस का टूटा दिल! पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी भारतीय महिला हॉकी टीम

रांची (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई जिसे एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में तीसरे चौथे स्थान के मुकाबले में जापान ने 1-0 से हराया।

तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला हॉकी टीम की इस हार ने प्रशंसकों के दिल तोड़ दिए जो पेरिस में पदक की उम्मीद कर रहे थे। जापान के लिए काना उराता ने छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया।

यह बढ़त आखिरी मिनट तक बनी रही जबकि भारतीय टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। भारत को मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन एक पर भी गोल नहीं हो सका। अमेरिका और जर्मनी फाइनल में पहुंचकर पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं।

मिचेल और फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने चौथा टी20 भी जीता

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भी पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। मिचेल ने नाबाद 72 और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 70 रन बनाकर पाक गेंदबाजों के हाथों से ये मुकाबला छीन लिया। इस मैच में 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे पर इसके बाद कीवी टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल ने चौथे विकेट लिए नाबाद 139 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कीवी टीम ने ये लक्ष्य 18.1 ओवर में ही तीन विकेट पर 159 रन बनाकर हासिल कर लिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड की टीम ने सीरीज में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

वहीं पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट लिये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके सलामी बल्लेबाज सैम अयूब एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये।

इसके बाद बाबर आजम 19 रन और फखर जमान भी नौ रनों पर ही आउट हो गये। मोहम्मद रिजवान ने सबसे अधिक 90 रन बनाए। उन्होंने आजम के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन बनाये। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए इफ्तिखार अहमद 10 रन के साथ 40 रन जोडे। पाक टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 158 बनाये।

अब शनिवार को हैदराबाद में अभ्यास शिविर में भाग लेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए 20 जनवरी को हैदराबाद में एकत्र होगी। भारतीय टीम को अब इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए शामिल खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद 2 दिन का ब्रेक मिला है। अब सभी खिलाड़ी 20 जनवरी को हैदराबाद में एकत्र होकर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी करेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा। अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम टी20 मैच खेलने के बाद कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने-अपने घरों की ओर चले गये हैं। वहीं अन्य खिलाड़ी शनिवार को हैदराबाद में नेट अभ्यास करेंगे। रोहित और विराट के अलावा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी अभी ब्रेक पर हैं। द्रविड़ और कोचिंग स्टाफ में शामिल सदस्य शनिवार को ही हैदराबाद पहुंचेंगे।

पाक क्रिकेट टीम के तीनों ही विदेशी कोचों आर्थर, ब्राडबर्न और पुटिक ने दिया इस्तीफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तीनों ही विदेशी कोचों ने इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विदेशी कोच मिकी आर्थर, ग्रांट ब्राडबर्न और एंड्रयू पुटिक ने राष्ट्रीय टीम और बोर्ड के साथ अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों से बातचीत कर उन्हें खुद ही इस्तीफा देने के लिए कहा गया था क्योंकि अगर पीसीबी उन्हें बर्खास्त करता तो अनुबंध के तहत छह महीने का वेतन देना पड़ता। गौरतलब है कि आईसीसी एकदिवसीय विश्वपक के बाद से ही टीम में आए बड़े बदलाव से विदेशी कोच नाराज चल रहे थे और उनके इस्तीफे के पीछे एक कारण ये भी था। पीसीबी ने विश्वकप के बाद कप्तान, चयनसमिति और कोच के साथ ही टीम डायरेक्टर में भी बदलाव किया था। भारत में एकदिवसीय विश्व कप के बाद पोर्टफोलियो में बदलाव करके कोचों को उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी के तहत गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल को भी एनसीए भेज दिया गया था। इसके बाद मोर्कल ने भी अपना पद छोड़ दिया था।

टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में गेल पहले नंबर पर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बन गये हैं। वहीं अगर देखा जाये तो सबसे अधिक टी20 शतक का रिकार्ड वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है। गेल ने टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाये हैं। उनके नाम टी20 प्रारुप में 22 शतक हैं और कोई भी उनके करीब नहीं है। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम 10 शतक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं1 वहीं तीसरे नंबर पर भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और तीन अन्य खिलाड़ी हैं। विराट कोहली ने टी20 में कुल 8 शतक लगाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर, एरोन फिंच और माइकल क्लिंगर के नाम भी इतने ही शतक हैं. ये चारों ही टी20 शतक के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आते हैं। वहीं रोहित के नाम टी20 प्रारुप में कुल 7 शतक हैं। उनके अलावा न्यूजीलैंड के के ब्रैंडन मैक्कुलम और इंग्लैंड के ल्यूक राइट के नाम भी सात-सात शतक हैं।

हसरंगा की शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में हराकर सीरीज जीती

कोलंबो (एजेंसी)। स्पिनर वानिंदु हसरंगा की घातक गेंदबाजी से श्रीलंका ने यहां खेले गए तीसरे और अंतिम टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम को 9 विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। इस मैच में श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 83 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला जो उसने पथुम निसंका के नाबाद 39 रनों और कुसल मेंडिस के 33 रनों की सहायता से 10.5 ओवर में भी एक विकेट के नुकसान पर 88 रन बनाकर हासिल कर लिया। धनंजय डीसिल्वा 15 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

इस मैच में टॉस जीतकर श्रीलंकाई टीम ने जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। जिम्बाब्वे की टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 14.1 ओवर में ही 82 रनों पर सिमट गयी। ब्रायन बेनेट ने सबसे अधिक 29 रन बनाए। वहीं शॉन विलियम्स ने 15 रन जबकि कप्तान सिकंदर रजा ने 10 और तिनाशे कामुनहुकांवे ने 12 रन बनाये। जिम्बाब्वे के छह खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए जबकि महीश तीक्षणा और एंजलो मैथ्यूज ने भी दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। धनंजय डीसिल्वा और दिलशान मदुशंका को एक-एक विकेट मिला।

तीसरे मैच में जीत के बाद श्रीलंकाई कप्तान वानिंदु हसरंगा ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं, जिमबाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने अपनी गलती मानते हुए कहा कि हमारी बल्लेबाजी कमजोर रही और हम 82 रन ही बनाये पाये। इसी कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

सबालेंका और गॉफ़ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के अंतिम 16 में पहुंची

मेलबर्न। बेलारुस की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के अंतिम 16 में पहुंच गयी हैं। सबालेंका ने अपनी विरोधी लेसिया सुरेंको को 6-0, 6-0 से हराया। सबालेंका ने इसी के साथ ही यहां अपना दसवां मैच 52 मिनट में ही जीत लिया। इसी के साथ ही सबालेंका साल 2017 से 2019 तक यहां लगातार 10 जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे पहले ये उपलब्धि अमेरिका की सेरेना विलियम्स के नाम थी। सबालेंका अब अपने अंतिम मुकाबले में संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से खेलेंगी। अनिसिमोवा ने अपने करियर के पांच मुकाबलों में से चार में सबालेंका को हराया है। उनका पहला मुकाबला 2019 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हुआ, जिसे अनिसिमोवा ने 6-3, 6-2 से जीता था। इसी के साथ ही वह 16वें दौर में पहुंच गई। वहीं अन्य मैच में अमेरिका की कोको गॉफ़ ने अपने ही देश की ट्रेनिंग पार्टनर एलिसिया पार्क्स को 6-0 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनायी। गॉफ अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए मैग्डेलेना फेच या क्वालीफायर अनस्तासिया ज़खारोवा का सामना करेगी।

मुंबई इंडियंस एमिरेट्स आईएलटी20 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी : पूरन

-मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा होने को शानदार अनुभव बताया

दुबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस एमिरेट्स के कप्तान निकोलस पूरन ने कहा है कि उनकी टीम लीग आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। छह टीमों के आईएलटी20 टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर सहित कई दिग्गज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। पूरन ने कहा कि मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा होना शानदार अनुभव है पर इससे बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी पड़ता है। यह फ्रेंचाइजी करीब एक दशक से टी20 क्रिकेट से जुड़ी हुई है

और हर कोई जानता है कि मुंबई सबसे अच्छी फ्रेंचाइजी में से एक है। उन्होंने कहा कि एक ग्रुप के तौर पर हम जहां तक संभव हो बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने का प्रयास करेंगे।

पूरन ने कहा कि मुंबई का प्रतिनिधित्व करना और खेलना बहुत दबाव भरा है पर यही इसका सकारात्मक पक्ष भी है। हम इस चुनौती को स्वीकार करते हैं। हम बतौर ग्रुप इस टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं। हम उत्साहित हैं और हम सफल होना चाहते हैं हालांकि हम जानते हैं कि यह आसान नहीं रहेगा।

इस टूर्नामेंट में मुंबई अमीरात के अलावा अबुधाबी नाइट राइडर्स, डेजर्ट वाइपर्स, दुबई कैपिटल्स, गल्फ जाइंट्स और शारजाह वारियर्स जैसी टीमें शामिल है। वॉर्नर, बोल्ट और ब्रावो के साथ इसमें सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, कोरी एंडरसन, दासुन शनाका, रहमानुल्लाह गुरबाज, सैम बिलिंग्स, क्रिस वोक्स और मार्टिन गुप्टिल भी खेलेंगे।

सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए भारत की तैयारियों पर सवाल उठाए

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने रणजी ट्रॉफी में भाग लेने के बजाय अफगानिस्तान के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में भाग लेने वाले कुछ भारतीय बल्लेबाजों की पसंद पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल और शुबमन गिल जैसे खिलाड़ियों के लिए घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट का चयन करना अधिक विवेकपूर्ण निर्णय होता खासकर जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए। गावस्कर ने कहा, 'क्या कुछ भारतीय बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए खुद को तैयार करने के लिए कुछ रणजी ट्रॉफी खेल खेलना बेहतर नहीं होता? केएल राहुल के अलावा, जिन्होंने सेंचुरियन में पहले टेस्ट मैच में सबसे बेहतरीन टेस्ट शतकों में से एक बनाया और विराट कोहली, जिन्होंने बिना शतक लगाए अच्छी बल्लेबाजी की, अन्य भारतीय बल्लेबाजों ने दक्षिण अफ्रीका में भूलने योग्य चार पारियां खेलीं। हम निश्चित रूप से आने वाले हफ्तों में देखेंगे कि क्या उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना चाहिए था या रणजी ट्रॉफी मैच।' भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पुष्टि की है कि टीम 20 जनवरी से हैदराबाद में एक प्रशिक्षण शिविर के साथ इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला के लिए अपनी तैयारी शुरू करेगी। यह घोषणा तब हुई जब 17 जनवरी को बेंगलुरु में सनसनीखेज डबल सुपर ओवर मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में रोमांचक क्लीन स्वीप हासिल की। टी20आई श्रृंखला में भाग लेने वाले नियमित टेस्ट खिलाड़ियों जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मुकेश कुमार और अवेश खान शामिल थे, उन्हें फिर से संगठित होने से पहले दो दिन के संक्षिप्त ब्रेक का इंतजार है।

रणजी ट्रॉफी में रनों के लिए तरसते दिखे अजिंक्य रहाणे, लगातार दो पारियों में हुए 'गोल्डन डक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे पिछले कुछ महीनों से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। रहाणे को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबले में नहीं चुना गया है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि वह भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेलना चाहते हैं। रणजी ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन को देखकर ऐसा लग रहा है कि उन्हें वापसी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। रहाणे मुंबई के लिए लगातार दो पारियों में खाता नहीं खोल पाए।

रहाणे रणजी सीजन के पहले मैच में बिहार के खिलाफ नहीं खेल पाए थे। उसके बाद दूसरे मुकाबले में आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्हें एक पारी में बल्लेबाजी का मौका मिला था। ये पहली पारी में खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए थे। नीतीश रेड्डी ने उन्हें पहली ही गेंद पर आउट कर दिया था। मुंबई ने मैच को 10 विकेट से जीत लिया। ऐसे में उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला।

इस बात की उम्मीद जताई जा रही थी कि रहाणे आंध्र के खिलाफ अपने प्रदर्शन को भुलाकर तीसरे मुकाबले में बड़ी पारी खेल पाएंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, वह सीजन के तीसरे मुकाबले में केरल के खिलाफ पहली पारी में शून्य पर पवेलियन लौट गए। इस बार बासिल थम्पी ने उन्हें पहली ही गेंद पर पवेलियन भेज दिया। लगातार दो गोल्डन डक के बाद उनकी वापसी की उम्मीदें भी धूमिल हो गई हैं।

अयोध्या के प्राचीन सिद्धपीठ मंदिर के दर्शन के बिना अधूरी मानी जाती है भगवान राम की पूजा

हर कोई राम मंदिर में विराजमान होने वाले भगवान श्रीराम के बालक रूप रामलला के दर्शन करना चाहता है। लेकिन भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में प्राचीन सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी एक ऐसा भव्य मंदिर है, जिसके बारे में कहते हैं यहां बजरंगबली के दर्शन किए बिना रामलला की पूजा अधूरी है।

अयोध्या भव्य राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पूरी तरह से तैयार है। पूरा देश इस समय भगवान श्रीराम की भक्ति में डूबा हुआ है। जिस मौके का राम भक्तों को बरसों से इंतजार था वो मौका 22 जनवरी को आने ही वाला है, जब अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला विराजमान हो जायेंगे।

हर कोई राम मंदिर में विराजमान होने वाले भगवान श्रीराम के बालक रूप रामलला के दर्शन करना चाहता है। लेकिन भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में प्राचीन सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी एक ऐसा भव्य मंदिर है, जिसके बारे में कहते हैं यहां बजरंगबली के दर्शन किए बिना रामलला की पूजा अधूरी है।

हनुमानगढ़ी मंदिर प्रभु श्रीराम के परम भक्त माने जाने वाले हनुमान जी को समर्पित है। हनुमानगढ़ी मंदिर का भी अयोध्या में विशेष महत्व है। यह अयोध्या के दस प्रमुख मंदिरों मे से एक माना जाता है। यह मंदिर अयोध्या शहर के बीचों बीच बना हुआ है। मान्यता है कि हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन के बिना रामलला के दर्शन अधूरे होते हैं।

कहा जाता है, जब भगवान राम रावण को पराजित कर लंका से अयोध्या वापस लौट रहे थे, तब उन्होंने अपने प्रिय भक्त हनुमान जी को रहने के लिए एक जगह दी थी, और कहा था कि जो भी भक्त जब अयोध्या आएगा तब सबसे पहले वो हनुमान जी के दर्शन ही करेगा।

माना जाता है जो जगह भगवान श्रीराम ने हनुमान जी को दी थी वो जगह यही प्राचीन सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी मंदिर ही है, और हनुमान जी आज भी यहां निवास करते हैं।

हनुमान जी सभी तरह के संकट और पीड़ा को हरने वाले देवता माने जाते हैं। माना जाता है, धार्मिक मान्यता है कि हनुमानगढ़ी मंदिर में जो कोई भी राम भक्त पूर्ण श्रद्धा के साथ हनुमान जी को लाल चोला या वस्त्र अर्पित करता है उसके सभी तरह के दोष दूर हो जाते हैं।

हनुमानगढ़ी मंदिर में हनुमान जी के बाल स्वरूप के दर्शन होते हैं। मंदिर में हनुमान जी की माता अंजनी की भी मूर्ति है।

32 सेकेंड भूमि पूजन तो 84 सेकेंड के मंत्र से खत्म होगा प्रभु राम का 500 वर्ष का वनवास

अति प्रिय मोहि इहां के बासी। मम धामदा पुरी सुख रासी।। हरषे सब कपि सुनि प्रभु बानी। धन्य अवध जो राम बखानी।। प्रभु राम की नगरी अपने राम के स्वागत में सज गई है। 22 जनवरी को प्रभु राम अपने भव्य महल में विराजमान होंगे। मानो पूरी नगरी त्रेता युग की तरह रामलला के स्वागत के लिए प्रतीक्षा कर रही है। पूरा देश अपने राम के स्वागत के लिए तैयार है। मठ-मंदिरों में भजन कीर्तन हो रहा रहा है। मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा से है और वही ज्योतिषाचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने राम जन्मभूमि में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की तारीख भी चुनी और शुभ मुहूर्त भी निकाला है।

84 सेकंड का शुभ मुहूर्त

राम मंदिर में भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकालने वाले काशी के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य गणेश्वर द्रविड़ शास्त्री बताते हैं कि भूमि पूजन में 32 सेकेंड का शुभ मुहूर्त था। जिसमें भूमि पूजन के लिए

जुड़े सभी अनुष्ठान 16 जनवरी से आरंभ हो गए है। शास्त्रीय परंपराओं का पालन करते हुए, प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में किया जाएगा।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने साल 9 नवंबर 2019 में राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम फैसला दिया था। इसमें केंद्र सरकार को रिसीवर बनाया गया था और 3 महीने में मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाने को कहा गया था। जिसके बाद श्री राम मंदिर ट्रस्ट का गठन हुआ। राम मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन 5 अगस्त 2020 को किया गया था। जिसमें काशी के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य गणेश्वर शास्त्री ने भूमि पूजन का शुभ मुहूर्त निकाला और वह शुभ मुहूर्त भी मात्र 32 सेकंड के मंत्र से सफल हुआ। अब 22 जनवरी की तारीख भी नजदीक आ रही 32 सेकेंड के समय में मंत्र पढ़ा गया था और अब 22 जनवरी को जब रामलला विराजमान होंगे तो 84 सेकेंड के शुभ मुहूर्त में प्रभु राम अपने भव्य महल में विराजमान होंगे। यानी की 84 सेकेंड के मंत्र से प्रभु राम का 500 वर्ष का लंबा वनवास खत्म होगा।

कब है प्राण-प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त?

गणेश्वर शास्त्री बताते हैं कि 22 जनवरी 2024 को मेष लग्न में वृश्चिक नवांश में अभिजीत मुहूर्त में भगवान राम भगवान राम प्रतिष्ठित होंगे और यह मुहूर्त 12:30 बजे के आसपास आएगा। इतना ही नहीं शिलान्यास के समय 32 सेकंड का शुभ मुहूर्त मिला था और प्राण प्रतिष्ठा के समय 84 सेकेंड का शुभ मुहूर्त मिला है।

शबरी ने भगवान श्रीराम को किस जगह और क्यों खिलाए थे जूठे बेर, क्या थी वजह

रामायण की कथा में माता शबरी को विशेष महत्व दिया गया है। माता शबरी भगवान राम की भक्त थी। उन्होंने सालों तक भगवान राम और माता सीता की भक्ति करने के साथ उनकी प्रतीक्षा की थी। जब भगवान राम की माता सीता की खोज करते समय वन के रास्ते में माता शबरी से भेंट हुई। उससे पहले माता शबरी रोज मार्ग में पुष्प बिछाकर और चख कर मीठे बेर भगवान राम के लिए चुनकर रखती थीं और एक दिन शबरी की इंतजार पूरा हुआ तो आखिरकार भगवान राम से उनकी भेट हो ही गई। आइए जानते हैं कि वह कौन-सा स्थान था जहां पर भगवान राम और माता शबरी की भेट हुई थी, यही नहीं भगवान राम ने माता शबरी के जूठे बेर क्यों खाए थे।

भगवान राम और माता शबरी की भेंट उस समय हुई थी। जब श्रीराम जंगलों में माता सीता की खोज में भटक रहे थे। रामायण में भगवान राम का माता शबरी से भेंट के स्थान का विवरण है। वह शबरी धाम के नाम से जाना जाता है। शबरी धाम दक्षिण-पश्चिम गुजरात के डांग जिले के आहवा से 33 किलोमीटर और सापुतारा से लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर सुबीर गांव के पास स्थित है।

शबरी का जन्म एक आदिवासी परिवार में होने के कारण उसे अछूत माना जाता था। शबरी के माता पिता ने उसका विवाह एक शराबी व्यक्ति के साथ तय कर दिया था।शबरी उसके साथ अपने जीवन को नष्ट नहीं करना चाहती थी। इसलिए वह विवाह से पूर्व अपने घर से भाग गई और वह जंगल में ऋषियों के लिए लकड़ी और खाने के लिए फल तोड़कर लाती थी। सभी ऋषि शबरी से अत्यंत प्रसन्न थे लेकिन एक दिन जब उन्हें यह पता चला की शबरी अछूत है। तब सभी ऋषियों ने उसका त्याग कर दिया था।

शबरी ने क्यों जूठे किए बेर

अतं मे जब ऋषि मतंग ने उन्हें अपनाया और उन्हें शिक्षा दी। जब ऋषि मतंग का अंत समय आया तब उन्होंने शबरी को बुलाकर कहा कि एक दिन भगवान राम तुम्हारे पास आएंगे और तुम्हें इस संसार से मुक्त कर देंगे। तब से शबरी रोज फूलों से कुटिया को सजाकर और मीठे फल चुनकर भगवान राम की प्रतीक्षा करती थीं।

ताकि भगवान राम के मुंह में खट्टे बेर न चले जाएं। सालों तक प्रतिक्षा करते हुए जब शबरी बूढ़ी हो चुकी थी। भगवान राम, माता सीता की खोज करते हुए उस वन में पहुंचे। जहां शबरी की कुटिया थी।

भगवान राम जब तालाब से पानी लेने के लिए आगे बढ़े तब ऋषियों ने उन्हें रोक दिया और कहा कि इस तालाब से एक अछूत स्त्री जल लेकर जाती है। सभी ऋषियों ने इस तालाब का त्याग कर दिया है। यह सुनकर राम ने ऋषियों से कहा कि कोई स्त्री अछूत नहीं हो सकती है। स्त्री एक इंसान को जन्म देती है। वह किस तरह अछूत हो सकती है। यह सब कहकर भगवान राम ने शबरी की कुटिया का पता पूछा और शबरी के पास पहुंच गए।

भगवान राम को परोसे जूठे बेर

भगवान राम जैसे ही कुटिया तक पहुंचे शबरी ने उन्हें पहचान लिया और उनके चरणों में आकर गिर गई। शबरी, भगवान राम और लक्ष्मण को अपनी कुटिया में ले गई और उनकी आवभगत करने लगी,

तब शबरी ने भगवान राम को जूठे बेर परोसे और रामजी बेर खाने लगे तभी लक्ष्मण बोले कि यह जूठे बेर है। आप कैसे खा सकते हैं। इस पर श्रीराम ने कहा कि यह झूठे नहीं मीठे बेर हैं। इनमें माता शबरी के प्रेम और स्नेह की मिठास है। अंत में शबरी ने भगवान राम का आशीर्वाद ग्रहण कर अपना शरीरत्यागदिया।

श्रीराम के स्वागत में घर की छत पर फहरा रहे धर्म ध्वजा तो जान लें नियम

500 सालों के बाद भगवान राम अयोध्या पधार रहे हैं. पूरा देश राममय हो गया है. घर-घर लोग भगवा ध्वज फहरा रहे हैं. मार्केट में भी भगवा ध्वजों का मानो अंबार सा लगा है. कुछ लोग तैयार में हैं कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन घर की छत पर भगवा लहराएंगे और दिवाली मनाएंगे. लेकिन, ध्वजा लगाने के पहले उसे फहराने के नियम जरूर जान लें

देवघर के पागल बाबा आश्रम स्थित मुद्गल ज्योतिष केंद्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि हिंदू धर्म में धर्म ध्वजा या पताका का काफी खास महत्व है. वहीं, राम मंदिर मे होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूरे भारत में दीप जलाकर और घरों में भगवान राम की धवजा या पताका लगाकर लोग उत्सव मनाने की तैयारी में हैं.

भगवान खुद करेंगे रक्षा

किसी भी पर्व-त्योहार या धार्मिक उत्सव में घर की छत पर ध्वजा या पताका लगाना शुभ होता है. इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर चली जाती है. सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. मान्यता है कि ऐसा करने वाले के घर की भगवान खुद रक्षा करते हैं. घर की छत पर अगर आप ध्वजा या पताका लगाते हैं तो घर में सफलता के मार्ग खुलते हैं.

छत पर कैसी ध्वजा लगाएं

घर की छत पर ध्वजा या पताका लगाते समय वास्तु नियम का भी पालन करना चाहिए. घर की छत पर ध्वजा लगाते वक्त ध्यान रखें कि ध्वजा काला, हरा या नीला रंग का न लगाएं. साथ ही ध्वजा या पताका का जो कपड़ा है वह साबुत होना चाहिए. यानी कहीं भी कोई छेद या फटा नहीं होना चाहिए.

इतने दिन बाद जरूर बदलें

जब भी आप घर में पताका या ध्वजा लगाते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. जैसे ध्वजा का कपड़ा कटा-फटा नहीं होना चाहिए. हल्के रंग के कपड़े के इस्तेमाल करना चाहिए. ध्वजा कम से कम हफ्ते-दस दिन बाद अवश्य बदल लेनी चाहिए.

राम नाम के जाप और मंत्र में कितनी शक्ति है?

भगवान राम का नाम बहुत ही पवित्र और शक्तिशाली माना जाता है। मान्यता है कि रोज राम नाम का जाप करने से व्यक्ति के जीवन में सभी दुख दर्द खत्म हो सकते हैं और उसे संसार से विदा होने पर मोक्ष की प्राप्ति होती हैं। कहते हैं राम नाम का जाप करने वाले व्यक्ति को उसके अभिमान, लालच, वासना, क्रोध, और द्वेष जैसी भावनाओं का भी अंत हो जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम का नाम ही छोटा सा शक्तिशाली महामंत्र है, जिसके सिर्फ जपने से ही व्यक्ति को सही मार्ग दिखने लगता है। हिंदू धर्म के अनुसार, राम का नाम इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक लिया जाता है। भगवान राम का जाप करने से व्यक्ति को सही कार्य करने की शिक्षा मिलती है। माना जाता है अगर आप रोजाना राम मंत्र का जाप करते हैं तो आपकी सभी अधूरी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। भगवान राम से जुड़े मंत्र का जाप करने से घर पर आने वाली कोई भी मुसीबत टल जाती है। इंसान के जीवन में आने वाली सभी रुकावटें धीरे -धीरे खत्म हो जाती है। और उसे हर कार्य में सफलता मिलनी शुरू हो जाती है। मान्यता के अनुसार, श्री राम का यह ध्यान मंत्र बहुत ही शक्तिशाली मंत्र माना जाता है। आप इसका किसी भी समय शांत मन से बैठकर जाप कर सकते हैं। ये मंत्र इंसान को आने वाले किसी भी संकट से बचाता है। कहा जाता है कि अगर घर में गृह क्लेश रहता हो तो भी इस मंत्र का जाप करने वाले व्यक्ति को इसका फायदा मिलता है। ये मंत्र इस प्रकार है।

आपदामप हर्तारम दातारं सर्व सम्पदाम, लोकाभिरामं श्री रामं भूयो भूयो नामाम्यहम !
श्री रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे रघुनाथाय नाथाय सीताया पतये नमः

प्रभु श्री राम का महामंत्र — श्री राम जय राम जय जय राम मंत्र

धार्मिक मान्यता के अनुसार सात शब्दों के इस राम मंत्र में बहुत शक्ति मानी जाती है। कहा जाता है इसका जाप करने से इंसान के जीवन पर आने वाला कोई भी बड़ा संकट टल जाता है। इस राम रक्षा मंत्र का जाप करने से साधक को अपने जीवन में सौभाग्य और सुख की प्राप्ति के साथ अकाल मृत्यु से छुटकारा भी मिलता है। साथ ही मंत्र के इस मंत्र का जाप करने से इंसान के जीवन में कभी भी दुख और परेशानी नहीं आती हैं इसलिए इस मंत्र को प्रभु श्री राम का महामंत्र माना जाता है।

अयोध्या की तर्ज पर सागर में बनेगा 121 फीट ऊंचा श्रीराम मंदिर, सूरज की पहली किरण भगवान के चरणों में पड़ेगी

अयोध्या में प्रभु श्रीराम विराजमान हो गए है. प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देशभर में उत्सवी माहौल है. इस बीच सागर के लोगों के लिए बड़ी खबर यह है कि यहां भी अलौकिक

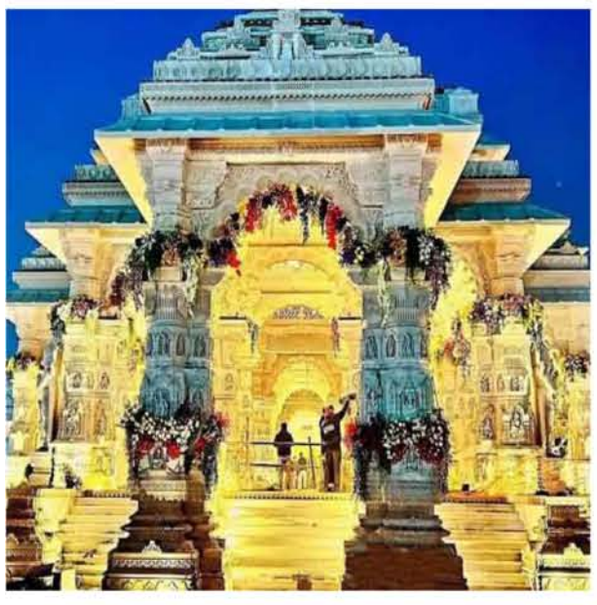

श्रीराम मंदिर के निर्माण की तैयारी चल रही है. अयोध्या मंदिर की प्रतिकृति के रूप में यहां पर विशाल मंदिर का निर्माण कराया जाएगा.

सागर जिले के संजय ड्राइव रोड पंतनगर वार्ड में 3 एकड़ क्षेत्रफल में यह मंदिर बनने जा रहा है. ट्रस्ट कमेटी ने हीं मंदिर को जमीन दान की है.यह मंदिर 121 फीट ऊंचा रहेगा. इस तरह से डिजाइन किया जाएगा. यहां सूरज की पहली किरण भगवान श्रीराम के चरणों में पड़ेगी. यह मंदिर 7 साल में 2031 के अंत तक बनकर तैयार होगा. मंदिर का निर्माण करने वाली समिति की योजना के अनुसार ऐसे बनाने में 36 करोड़ रुपए का खर्च आ रहा है. गुलाब बाबा मंदिर ट्रस्ट यह पूरा खर्च उठाएगी.

राजस्थान के विशेष पत्थर का उपयोग मंदिर में

इस मंदिर का निर्माण राजस्थान के विशेष पत्थर और रेड एंड व्हाइट मार्बल का उपयोग होगा. यहां श्रीराम, जानकी, लक्ष्मण और हनुमानजी विराजेंगे. मंदिर की अन्य विशेषताओं का खुलासा बाद में होगा. राम मंदिर निर्माण प्रस्तावित स्थल पर अयोध्या उत्सव की तरह नवकुंडीय श्रीराम महायज्ञ और श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है इसकी तैयारियां चल रही हैं.

गुलाब बाबा मंदिर ट्रस्ट ने दी जमीन, यज्ञ के बाद बनेगी डिजाइन-ड्राइंग

नव कुंडीय यज्ञ और श्रीराम कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रदीप दुबे ने बताया कि राम मंदिर निर्माण के लिए 3 एकड़ जमीन गुलाब बाबा मंदिर ट्रस्ट ने उपलब्ध कराई है. इसी स्थान पर 23 जनवरी तक यज्ञ और श्री रामकथा का आयोजन किया जा रहा है. यज्ञ के बाद मंदिर की डिजाइन-ड्राइंग का काम शुरू होगा. संभवत: मार्च से मंदिर का काम शुरू हो पाएगा. 70 फीसदी काम बाहर के आर्किटेक्ट और कारीगरों के जरिए होगा. इसमें राजस्थान का विशेष तरह का पत्थर व मार्बल लगेगा. 7 साल में मंदिर निर्माण पूरा करने की योजना है. 121 फीट ऊंचा यह सागर का पहला श्रीराम मंदिर होगा. सूरज की पहली किरण भगवान के श्रीचरणों में पड़ेगी, ऐसी मंदिर की डिजाइन का प्रस्ताव है.

माता कैकेयी ने इस वजह से मांगा था भगवान राम के लिए वनवास ? इसके पीछे की रोचक कथा

अयोध्या में ही नहीं इस वक्त पूरे देश में प्रभु श्रीराम नाम की गूंज हैं, इस खास मौके पर हम आपको राम भगवान के वनवास से जुड़ी कहानी बताने वाले हैं. जिनसे यह पता चलता है कि आखिर माता कैकई ने भगवान राम लिए चौदह वर्ष का वनवास क्यों मांगा था.

रामायण में भगवान राम के लिए माता कैकेयी द्वारा चौदह वर्षों का वनवास मांगने के समय का विस्तारपूर्वक वर्णन प्रस्तुत है। माता कैकेयी भगवान राम को अपने पुत्र भरत से भी अधिक प्रेम करती थी तो क्या सिर्फ मंथरा के कहने से वह भगवान राम के लिए चौदह वर्षों का वनवास कैसे मांग सकती थी। आइए जानते हैं।

रामायण की कथा के अनुसार माता कैकेयी ने अपने पुत्र को राज सिंहासन पर बैठने के लिए भगवान राम को चौदह वर्ष के वनवास पर भेजा था। भगवान राम के लिए राजा दशरथ से वनवास मांगने के बाद माता कैकेयी को समस्त संसार में घृणा का पात्र बना दिया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार यह माना जाता है कि माता कैकेयी को यह पता था कि ऐसा करने के बाद समस्त संसार में वह घृणा का पात्र बनकर रह जाएंगी इसके बावजूद उन्होंने कुछ विशेष कारणों के चलते यह काम किया था।

इस मंदिर में दर्शन के बिना अधूरी मानी जाती है प्रभु श्रीराम की पूजा

इस मंदिर में दर्शन के बिना अधूरी मानी जाती है प्रभु श्रीराम की पूजा

माना जाता है, माता कैकेयी ने राजा दशरथ अथवा रघुवंश को बचाने के लिए भगवान राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास मांगा था। इसका कारण यह था कि राजा राजा दशरथ के हाथों श्रवण कुमार की मृत्यु हुई थी। श्रवण कुमार के पिता ने राजा दशरथ को यह श्राप दिया था कि जिस प्रकार वह पुत्र वियोग में मर रहे हैं उसी प्रकार राजा दशरथ की मृत्यु भी पुत्र वियोग के कारण होगी।

दरअसल रानी कैकेयी राजा अश्वपति की पुत्री थी और अश्वपति के राजपुरोहित श्रवण कुमार के पिता रतन ऋषि थे। रत्न ऋषि ने महारानी कैकेयी को बताया था कि राजा दशरथ की कोई भी संतान गद्दी पर नहीं बैठ पाएगी। साथ ही ज्योतिष गणना के अनुसार उन्होंने कहा कि राजा दशरथ की मृत्यु के बाद यदि चौदह वर्षों से पहले कोई पुत्र गद्दी पर बैठेगा तो संपूर्ण रघुवंश का नाश हो जाएगा। रघुवंश को नाश से बचाने के लिए माता कैकेयी ने यह कठोर निर्णय लिया था जिससे सदैव के लिए उनकी छवि एक बुरी माता के रूप में रह गई।

स्वच्छता में नोएडा को नंबर वन बनाना है : डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 में देश में पहले नंबर पर लाने के लिए कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसी उद्देश्य से अब उन्होंने जन सहभागिता तथा जन जागरूकता के लिए विभिन्न सेक्टर में जाकर अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसी के तहत शनिवार को नोएडा प्राधिकरण ने अपने क्षेत्र के नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से जन जागरूकता अभियान की शुरूआत की।

जिसमें उपस्थित लोगों को स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदंड़ों से विभिन्न सेक्टरों के निवासियों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर एसीआईओ संजीव खत्री, एसीईओ वंदना त्रिपाठी, सिविल विभाग के उप महाप्रबंधक विजय रावल, जन स्वास्थ्य विभाग के उप महाप्रबंधक एसपी सिंह समेत विभिन्न विभागों के कई अधिकारी मौजूद थे।

जागरूकता कार्यक्रम में प्राधिकरण के सीईओ ने विभिन्न सेक्टरों से आए लोगों को बताया कि घर और संस्थान से कूड़े को 5 भागों में सैग्रिगेट करने एवं कूड़ा एकत्रित करने वाली एजेंसी को अलग-अलग डिब्बों में देने के लिए प्रेरित किया। जिसमें कूड़े को पांच भागों यानी गीला कूड़ा, सूख कूड़ा, ई वेस्ट, हैजारडस वेस्ट, सेनिटेशन वेस्ट को लेकर जानकारी दी गई।

इस कूड़े को फेंकने के लिए डोर टू डोर कलेक्शन करने वाली गाड़ी में पांच हिस्से बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) कांसेप्ट के जरिए सूखे और गीले कूड़े के निस्तारण की थीम अपनाई गई है।

आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण को दिया सुझाव

आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने डोट टू डोर गार्बेज कलेक्शन वाहनों का संचालन सुबह और शाम की शिफ्ट करने का सुझाव दिया। जिस पर नोएडा प्राधिकरण द्वारा व्यवसायिक क्षेत्रों में दो शिफ्ट में डोट टू डोर गार्बेज कलेक्शन का आश्वासन दिया गया। आरडब्ल्यूए ने सीएसआर फंड के जरिए वेस्ट कंपोस्टिंग मशीन लगाने का भी अनुरोध किया।

सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री करने पर जोर

बल्क वेस्ट जनरेटर्स (100 किग्रा प्रति उत्पादन करने वाले) को अपना वेस्ट कैंपस के अंदर ही एमएसडब्ल्यू 2016 नार्मस के अनुसार निस्तारण करने के बारे में बताया गया। सभी सेक्टर वासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए अभियान चलाने पर जोर दिया गया। जिसमें बताया गया कि वे अपने सेक्टर की समस्त दुकानों, वेंडरों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने एवं उसके स्थान पर बायोडिग्रेडेबल थैले का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया। सभी सेक्टर वासियों को अपने सेक्टर में खुले में कूड़ा न डालने और समस्त जीवीपी को साफ रखने के लिए टीम बनाकर विशेष अभियान चलाने का सुझाव दिया।

इन सेक्टरों के पदाधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में नोएडा के सेक्टर- 30, 33, 34, 52, 61, 72, 93बी, 105, 108, 112, 116, 117, 122 के आरडब्ल्यूए और फोनरवा के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

15 साल पहले हुए 100 गज जमीन के झगड़े में गई कई की जान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में गैंगस्टर प्रवेश मान के छोटे भाई सूरज मान की दिन दहाड़े गोली मारकर की गई हत्या में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। दिल्ली के नरेला में खेड़ा खुर्द गांव में महज 100 गज की जमीन के लिए शुरू हुआ झगड़ा आज खूनी खेल बन गया है। इस खेल में अब तक गैंगस्टर कपिल मान उर्फ कल्लू तथा गैंगस्टर प्रवेश मान उर्फ सागर के परिवार के कई लोग मारे जा चुके हैं। सूरज मान की हत्या कपिल मान ने अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए की है।

आपको बता दें कि शुक्रवार को दिन दहाड़े नोएडा के सेक्टर 104 स्थित हाजीपुर में एनीटाइम फिटनेस सेंटर के सामने अपनी कार में बैठे सूरज मान की बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बसरा कर हत्या कर दी थी। इस सनसनीखेज हत्याकांड में यह बात सामने आई थी कि सूरज मान दिल्ली के नरेला के खेड़ा खुर्द गांव के रहने वाले गैंगस्टर प्रवेश मान उर्फ सागर का छोटा भाई है। गैंगवार की संभावना को देखते हुए इस मामले में नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। जिसके लिए पुलिस ने चार टीमें बनाई।

नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने कुछ ही घंटों में इस सनसनीखेज हत्याकांड में दिल्ली से धीरज मान पुत्र स्व. वेदप्रकाश व अरुण उर्फ मन्नू मान पुत्र राकेश मान को गिरफ्तार किया। इनके पास एक 32 बोर की पिस्टल तथा 315 बोर का तमंचा एवं एक महिंद्रा थार गाड़ी बरामद हुई।

दिल्ली के नरेला के खेड़ा खुर्द गांव में 100 गज की जमीन के लिए कपिल मान उर्फ कल्लू तथा प्रवेश मान उर्फ सागर के परिवार बीच रंजिश शुरू हो गई। धीरे धीरे यह रंजिश वर्चस्व की लड़ाई बन गई। कपिल मान ने 2019 में रंजिश के चलते प्रवेश मान के चचेरे भाई अनिल मान और फिर चाचा वीरेंद्र मान की हत्या कर थी। गैंगस्टर कपिल ने गैंगस्टर प्रवेश मान के दोस्त मनीष मान के ऊपर भी जानलेवा हमला किया और 15 से 20 राउंड गोलियां चलवाई, लेकिन इस हमले में मनीष बच गया था।

गैंगस्टर कपिल मान की उड़ाते थे हंसी

पुलिस के मुताबिक मंडोली

इन हत्याओं का बदला लेने के लिए गैंगस्टर प्रवेश मान ने 2017 में कपिल के चाचा सूर्य प्रकाश उर्फ बल्लू तथा 2022 में कपिल के पिता वेदप्रकाश की हत्या कर दी थी।

पिता की हत्या का लिया बदला

पुलिस के मुताबिक, सूरज मान की हत्या में शामिल धीरज मान गैंगस्टर कपिल का छोटा भाई है और धीरज तथा अरुण उर्फ मन्नू, कपिल मान के पिता की हत्या के गवाह भी हैं। बताया जाता है कि इन दोनों ने दिल्ली की मंडोली जेल में बंद कपिल मान से मुलाकात की और वहीं सूरज मान की हत्या की साजिश रची गई। इस साजिश में नवीन नाम का व्यक्ति भी शामिल किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गैंगस्टर कपिल मान को यह खबर लगी थी कि नोएडा में रहकर प्रवेश मान का छोटा भाई सूरज लगातार उसकी पैरवी कर रहा है और आर्थिक मदद दे रहा है। इसलिए उन्होंने पिता की हत्या का बदला लेने तथा सूरज के मनसूबों पर पानी फेरने के लिए उसकी हत्या करवा दी।

जेल में बंद गैंगस्टर कपिल मान की जेल में बंद दूसरे कैदी अक्सर हंसी उड़ाते थे कि वो अपने पिता की मौत का बदला नहीं ले पाया। वहीं हत्याकांड को अंजाम देने वाले अरुण उर्फ मन्नू के भाई पर भी प्रवेश ने हमला करवाया था जिसमें वह बच गया था।

सूरज मान की बदमाशों ने पहले की रैकी

नोएडा में दिन दहाड़े मारे गैंगस्टर प्रवेश मान के छोटे भाई सूरज मान की हत्या करने वाले बदमाशों ने बताया कि मंडोली जेल में हत्या की साजिश रचने के बाद उन्होंने नोएडा में सूरज मान की रेकी की। उसकी गाड़ी का नंबर नोट करके पीछा किया कि और पता किया कि सूरज रोजाना सेक्टर 104 स्थित एनीटाइम फिटनेस जिम जाता है। और जिम करने के बाद गाड़ी में बैठकर एनर्जी ड्रिंक का सेवन करता है। योजना के तहत 19 जनवरी को दोपहर डेढ़ बजे जब सूरज जिम करके बाहर आया और अपनी गाड़ी में बैठा, तभी उस पर गोलियां बरसाई गई, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस इस मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

बुजुर्ग की हत्या करने वाले को पुलिस ने किया लंगड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार को चोट पहुंचाकर मौत के घाट उतारने वाले युवक को थाना दनकौर पुलिस ने शनिवार को लंगड़ा करके अस्पताल भेज दिया है। बुजुर्ग की हत्या कर हत्यारा फरार हो गया था, जो शनिवार को मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार थाना दनकौर क्षेत्र के बिलासपुर कस्बे में शुक्रवार, 19 जनवरी को 70 वर्षीय अली मोहम्मद नामक व्यक्ति की सिर पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में बुजुर्ग के परिजनों ने पड़ोसी वसीम पुत्र हसमुद्दीन के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी।

शनिवार की दोपहर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि हत्यारोपी वसीम धनोरी से सक्का की ओर जाने वाले रास्ते से गुजरेगा। इस दौरान पुलिस ने घेराबंदी की और मुठभेड़ के बाद हत्यारोपी वसीम पुत्र हसमुद्दीन निवासी कस्बा बिलासपुर थाना दनकौर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली लगने से वसीम घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पास से 1 अवैध तमंचा 315 बोर, 1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस तथा एक बाइक बरामद हुई है।

मनीष शर्मा बने प्रदेश संगठन मंत्री

नोएडा (चेतना मंच)। किसानों के संगठन भारतीय किसान यूनियन (इंडिया) ने संगठन का विस्तार करते हुए नोएडा निवासी मनीष शर्मा को प्रदेश संगठन मंत्री मनोनीत किया है।

नव नियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री मनीष शर्मा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहलवान मुनेंद्र गुर्जर एवं राष्ट्रीय महासचिव गजेंद्र मुदगल का आभार व्यक्त किया और कहा कि मुझे संगठन ने जो जिम्मेदारी दी है मैं उसको पूरी निष्ठा से निभाऊंगा और सभी किसान भाइयों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रयासरत रहूंगा और उनके लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा।

नोएडा में लगी धारा-144 जरा भी गलती की तो मिलेगी सजा

नोएडा (चेतना मंच)। अयोध्या में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पुलिस भी पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी मुस्तैदी के तहत नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने नोएडा (गौतमबुद्धनगर) में धारा-144 लगा दी है। धारा-144 के लागू होते ही नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में सख्त नियम लागू हो गए हैं। इसी दौरान जरा सी भी गलती करने पर भी सजा हो सकती है। धारा-144 का यह आदेश 21 जनवरी यानि रविवार से 26 जनवरी तक प्रभावी रहेगा।

नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्धनगर) में धारा-144 लगाने की घोषणा की है। भारत की संसद ने आईपीसी की धारा-144 को बदलकर इस धारा को 188 कर दिया है। अभी तक जिलों तक इस धारा के परिवर्तन की अधिसूचना नहीं आई है। इसी कारण आभी भी इस धारा को 144 ही कहा जा रहा है। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में धारा-144, 21 जनवरी से शुरू होकर 26 जनवरी तक प्रभावी रहेगी।

यह सख्त नियम रहेंगे लागू

धारा-144 लागू रहने के दौरान जो नियम बनाए गए हैं उनको नीचे बिन्दुवार समझ लीजिए :-

1- कोई भी व्यक्ति पुलिस आयुक्त/ अपर पुलिस आयुक्त/ पुलिस उपायुक्तों की पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना, न तो 05 या इससे अधिक व्यक्तियों का किसी प्रकार का कोई जूलुस निकालेगा और न ही सार्वजनिक स्थान पर 05 या इससे अधिक व्यक्तियों का समूह बनाएगा और न ही ऐसे किसी समूह में सम्मिलित होगा। शासन द्वारा अनुमन्य कार्यक्रमों में यथा आवश्यकता इस नियम को शिथिल किया जा सकता है।

2- सरकारी दफ्तरों के ऊपर व आसपास एक कि0मी0 परिधि में ड्रोन से शूटिंग करना पूर्णतया प्रतिबंधित होगा। अन्य स्थानों पर भी पुलिस आयुक्त/ अपर पुलिस आयुक्त की अनुमति के बिना किसी प्रकार के ड्रोन कैमरे से शूटिंग / फोटोग्राफी नहीं की जाएगी।

3- किसी भी धार्मिक स्थल / सार्वजनिक स्थल / जुलुसों एवं अन्य आयोजनों पर लाउडस्पीकर पेंगे। की ध्वनि की तीव्रता के सम्बन्ध में माननीय उच्च न्यायालय लखनऊ बेंच, लखनऊ द्वारा रिट पिटीशन (पीआईएल) संख्या- 24381/2017 मोतीलाल यादव वनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य में पारित आदेश, दिनांक 20-12-2017 एवं ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 यशासंशोधित प्रावधानों के क्रम में रात्रि 10ः00 से प्रातः 6ः00 बजे तक ध्वनिविस्तारक यंत्र का प्रयोग अनुमन्य नहीं होगा । इसके साथ-साथ गृह विभाग उ0प्र0 शासन के निर्देशानुसार धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर की ध्वनि 40 से 75 डेसीवल, आवासीय इलाको में दिन में 55 डेसीवल एवं रात में 45 डेसीवल, औद्योगिक क्षेत्रों में दिन में 75 डेसीवल एवं रात में 70 डेसीवल, व्यावसायिक क्षेत्रों में दिन में 65 डेसीवल एवं रात में 55 डेसीवल, साइलेन्स जोन में दिन में 50 डेसीवल एवं रात में 40 डेसीवल से अधिक अनुमन्य नहीं होगी । अपरिहार्य स्थिति में अनुमति पुलिस आयुक्त / अपर पुलिस आयुक्त/ पुलिस उपायुक्त जोन से लेनी होगी । मंदिर / मस्जिद गुरुद्वारा/ चर्च आदि धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर धार्मिक स्थल के परिसर तक सीमित रहेंगे ।

4- सार्वजनिक स्थानों/ मागों पर नमाज / पूजा अर्चना / जूलुस या अन्य प्रकार के धार्मिक आयोजन का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबंधित रहेंगा। अपरिहार्य स्थिति में अनुमति पुलिस आयुक्त/ अपर पुलिस आयुक्त/ पुलिस उपायुक्त जोन से लेनी होगी।

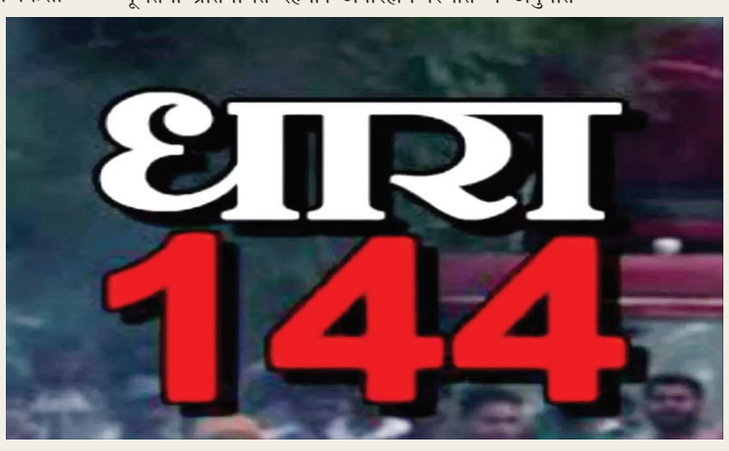

5- कोई भी व्यक्ति विवादित स्थलों जहां प्रथा न रही हो पर पूजा, नमाज आदि अदा करने का न तो प्रयास करेगा और न ही किसी को प्रेरित करेगा। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति एक-दूसरे के धर्मग्रन्थों का अपमान नहीं करेगा। धार्मिक स्थानों, दीवारों आदि पर किसी प्रकार के धार्मिक झण्डे, बैनर, पोस्टर आदि नहीं लगाएगा, न ही इस कार्य में किसी को सहयोग प्रदान करेगा।

6- कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थलों धार्मिक स्थलो / जुलूस के मार्गों पर तथा धार्मिक मजमों के समय धार्मिक स्थलों के निकट सुअर, कुत्ते आदि छुट्टा जानवरों को विचरण नही करायेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी का सहयोग करेगा, जिससे किसी व्यक्ति समुदाय की भावना आहत हो ।

7- धार्मिक संस्थाओं एवं धार्मिक स्थानों पर कोविड 19 की वर्तमान में प्रचलित गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

8- कोई भी व्यक्ति कमिश्रेट गौतमबुद्धनगर की सीमा के अंदर लाठी, डंडा (अंधे व अपाहिज व्यक्तियों तथा सिख धर्म द्वारा रखे जाने वाले कृपाण को छोड़कर), तेज धार वाले चाकू तथा नुकीले शरण जैसे तलवार, बढ़ीं, गुसियां, कटार, फरसा, संगीन, त्रिशूल अथवा अग्नेयास्त, ज्वलनशील पदार्थ, घातक हथियार आदि लेकर नहीं चलेगा और न ही किसी सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शित करेगा। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के संपूर्ण क्षेत्र के समस्त सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों में कोई भी शस्त ताईसेंसी अग्नेयास्त सहित कार्यालय परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। यदि किसी व्यक्ति के पास सरकारी गनर सुविधा उपलब्ध है तो वे अपने सुरक्षा कर्मियों को कार्यालय के अन्दर नहीं ले जायेंगे। ड्यूटीरत पुलिस कर्मी/ अर्द्ध सैनिक बल पर ये प्रतिबन्ध लागू नहीं होंगे ।

9. शादी/ बारात व अन्य अवसरों पर किसी भी व्यक्ति द्वारा शस्त्र का शौकिया प्रयोग/ हर्ष फायरिंग नहीं की जायेगी।

10- कोई भी व्यक्ति जनसामान्य को गुमराह या तनाव या वैमनस्य पैदा करने वाले ऐसे किसी प्रकार के ऑडियो / वीडियो कैसेट एवं सी0डी0 को न तो बेचेगा और न बजायेगा और न भौतिक रूप से अथवा वर्चुअल रूप में प्रदर्शित करेगा। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति मौखिक या लिखित, इलेक्ट्रानिक या सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना व ऐसी अफवाहे नहीं फैलाएगा, जिससे शांति भंग की आशंका हो ।

11- कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर शराब / मादक पदार्थ का सेवन नहीं करेगा।

12- कोई भी व्यक्ति ड्यूटीरत पुलिस अधिकारी कर्मचारी नगर निगम/ स्वास्थ्य विभाग/ सफाई कर्मी के साथ अभद्रता अथवा मारपीट करता है तो उसके विरुद्ध विधिपूर्ण कार्यवाही की जाएगी।

13. कोई व्यक्ति किसी खुले स्थान पर अथवा मकानों की छतों पर ईंट पत्थर, सोड़ा बाटर की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ अथवा कोई विस्फोटक सामग्री जमा नहीं करेगा और न ही रखेगा, जिसका प्रयोग आतंक उत्पन्न करने अथवा किसी हिंसात्मक गतिविधियों में किया जा सके।